दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। बुधवार 08 अक्टूबर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 289 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

राबड़ी आवास के बाहर
आरजेडी समर्थकों का हंगामा
मसौढ़ी विधायक का टिकट काटने की मांग

पटना। बिहार के मखदुमपुर विधानसभा से राजद विधायक सतीश कुमार के विरोध में शनिवार को स्थानीय लोगों ने पटना स्थित लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के सरकारी आवास में घुसकर जमकर हंगामा किया। लोग विधायक को दोबारा टिकट न देने की मांग कर रहे थे। लोगों ने जोर से नारे लगाते हुए कहा कि चोर विधायक नहीं चाहिए, सतीश कुमार को हराना है।

भीड़ ने जताया विरोध : ममखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र से आए सैकड़ों लोग अचानक लालू-राबड़ी के घर के अंदर घुस गए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक सतीश कुमार ने क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं कराया और जनता की समस्याओं की अनदेखी की है। इस कारण उन्हें दोबारा टिकट नहीं दिया जाना चाहिए।

टिकट न देने की मांग : प्रदर्शनकारियों ने पार्टी सुप्रीमो लालू यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से साफ कहा कि अगर राजद ने सतीश कुमार को टिकट दिया तो जनता इसका विरोध करेगी। लोगों का कहना था कि टिकट किसी ऐसे उम्मीदवार को दिया जाए जो क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए काम करे। सतीश कुमार को चोर कहा।

घर के अंदर मचा हंगामा : लालू-राबड़ी आवास पर अचानक हुए इस विरोध प्रदर्शन से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा कर्मियों ने लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन कुछ देर तक आवास परिसर में नारेबाजी और हंगामा होता रहा।

मंडी विवाद फिर आया चर्चा में, कोर्ट ने दिया मुकदमा दर्ज करने का आदेश
- लिंक रोड थानाक्षेत्र के प्रकरण में न्यायालय ने पुलिस को निष्पक्ष विवेचना के निर्देश दिए

गाजियाबाद, करंट क्राइम : थाना लिंक रोड क्षेत्र से जुड़े बहुचर्चित मंडी समिति विवाद मामले में अदालत ने पुलिस को मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष विवेचना करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट संख्या-5 गाज़ियाबाद प्रीति सक्सेना द्वारा 6 अक्टूबर को पारित किया गया। मामला हरीश चौधरी बनाम बिजेन्द्र यादव एवं अन्य से संबंधित है। प्रार्थी हरीश चौधरी ने आरोप लगाया था कि 10 अगस्त 2025 को मंडी समिति परिसर में विवाद के दौरान बिजेन्द्र यादव पुत्र नेपाल यादव और उनके साथियों ने मिलकर हमला किया था। साथ ही फायरिंग की, जिसमें हरीश चौधरी और उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हुए थे। प्रार्थी के अनुसार, घटना की सूचना देने के बावजूद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की, जिससे उसे न्याय नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण ली है।

अदालत ने प्रार्थी के बयान एवं प्रस्तुत साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद माना कि प्रकरण में प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध बनता है। न्यायालय ने कहा कि पुलिस द्वारा अब तक की कार्रवाई पर्याप्त नहीं रही है, इसलिए विवेचना नियमानुसार की जानी चाहिए। अपने आदेश में अदालत ने सुखवासी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2007) एवं ललिता कुमारी बनाम राज्य (2014) जैसे सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी संज्ञेय अपराध की स्थिति में पुलिस को एफआईआर दर्ज कर विवेचना करना अनिवार्य रहना भी बताया गया है। इस आदेश के बाद मंडी समिति का यह विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब देखना यह होगा कि लिंक रोड पुलिस अदालत के निदेशों पर क्या कार्रवाई करती है।

अनिल अग्रवाल के कॉलेज पर हुई इस बैठक के मायने हजारों हैं

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हारी बाजी जीतने वाले को बाजीगर कहा जाता है और भगवा गढ़ की सियासत में हारी बाजी जीतने वाले को डॉ. अनिल अग्रवाल कहा जाता है। राज्यसभा में अनिल अग्रवाल ऐसे ही नहीं पहुंचे थे वो बाजीगर वाले अंदाज में चुनाव जीतकर पहुंचे थे। उन्होंने हारी बाजी को जीतकर दिखाया था। जब एमएलसी के लिये वो प्रयास कर रहे थे तब उन्हें राज्यसभा का मौका मिला और यहां उन्होंने जीत का चौका लगाया था।

राज्यसभा सांसद रहते हुए उन्होंने भगवागढ़ में लोकसभा की दावेदारी का बिगुल तब बजा दिया था जब यहां लोकसभा में दावेदारी करने से भी लोग बचते थे। कोई कहता था कि मैं तो सोच भी नहीं सकता और कोई कहता था कि साहब ही हमारे सर्वमान्य हैं। यहां दावेदारी का मोर्चा अनिल अग्रवाल ने खोला और उनके चुनावी मुकद्दर के सामने अतुल गर्ग कब लोकसभा के सिकंदर बन गए उन्हें पता ही नहीं चला।

अनिल अग्रवाल अब पूर्व सांसद हैं, लेकिन उनकी खास बात ये है कि वो अब भी राजनीतिक रूप से एक्टिव रहते हैं, सामाजिक रूप से सक्रिय हैं और सांस्कृति कार्यक्रमों से लेकर धार्मिक कार्यक्रमों तक उनकी भागीदारी रहती है। सबसे बड़ी बात ये है कि पार्टी के छोटे कार्यकताओं से लेकर पार्टी के बड़े नेता तक सभी उनके मधुरभाषी व्यवहार के कायल हैं। ये अनिल अग्रवाल की अपनी ताकत है कि पूर्व होने के बाद भी भाजपा के बड़े चेहरे उनके आवास पर खास रूप से आते हैं।

ऐसे में जब एक बैठक उनके कॉलेज पर हुई तो इस बैठक के सियासी मायने तलाशे जा रहे हैं। दरअसल ये बैठक ऐसे माहौल में हुई है जब एमएलसी चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है। चुनाव आयोग से एमएलसी चुनाव की वोटर लिस्ट अपडेट का अभियान आ गया है। भाजपा एमएलसी चुनाव के संयोजक घोषित कर चुकी है। ऐसे में एमएलसी चुनाव की बैठक हुई है तो ये माना जा रहा है कि इसके अर्थ हैं। एमएलसी चुनाव में शिक्षक कोटा और स्नातक कोटा की बात करें तो इसकी तैयारी कई चेहरे कर रहे हैं।

ऐसे में एचआरआईटी में जब बैठक हुई तो जाहिर है कि ये एमएलसी चुनाव को लेकर बैठक हुई। अब इस बैठक के विशेष अर्थ इसलिये है क्योंकि अनिल अग्रवाल खुद शिक्षाविद् हैं, कॉलेज मालिक हैं और पहली बार अचानक से मीटिंग का क्या संदेश है। क्या अनिल अग्रवाल को कहीं से ग्रीन सिग्नल मिला है। क्या उनके पास कोई संदेश एमएलसी चुनाव को लेकर आया है। चर्चा यही है कि एमएलसी चुनाव को लेकर एचआरआईटी में ये बैठक बिना उददेश्य के तो नहीं हुई है। क्या पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल अपने पुत्र को एमएलसी वाली रेस का फेस बना रहे हैं। क्या अनिल अग्रवाल अपने पुत्र के लिये विधान परिषद का बेस बना रहे हैं।

कहने वाले यही कह रहे हैं कि जब अनिल अग्रवाल राज्यसभा सांसद थे तो उन्होंने कभी ऐसी बैठक नहीं कराई और वो किसी दावेदारी में भी अपने बेटे के नाम को नहीं लाए। दरअसल अनिल अग्रवाल पार्टी प्रोटोकॉल को फॉलों करते हैं और वो जानते हैं कि जब तक वो सांसद हैं तब तक परिवार से कोई दूसरी दावेदारी नहीं आएगी। अब उन्हें ये भी पता है कि अब वो पूर्व सांसद हो चुके हैं और अब वो दावेदारी कर सकते हैं। वैसे भी अनिल अग्रवाल के पुत्र अंजुल अग्रवाल सामाजिक रूप से पूरी तरह एक्टिव रहते हैं।

वो शिक्षण संस्थाओं से भी जुड़े हैं और खेलकूद की संस्थाओं में भी पदाधिकारी हैं। सामाजिक प्रोफाइल है लिहाजा ऐसे में अंजुल अग्रवाल की दावेदारी बनती है। एचआरआईटी में बैठक के बाद अब सार यही निकाला जा रहा है कि अनिल अग्रवाल ने कहीं अपने पुत्र की दावेदारी का श्रीगणेश तो नहीं किया है। अनिल अग्रवाल वैसे भी पार्टी के पैटर्न पर चलने वाले नेता हैं और उनकी राजनीति का खास अंदाज ये है कि वो विवादों से दूर रहते हैं।

दो दिन पहले एचआरआईटी में मीटिंग हुई है और इस मीटिंग के चेहरों में वो चेहरे शामिल हुए हैं जो शिक्षण संस्थाओं से जुड़े हैं और जिनकी झोली में एमएलसी शिक्षक कोटे की सीट के वोट माने जाते हैं। मीटिंग में गुलशन भांभरी, रामअवतार जिंदल सहित कई चेहरे हैं। माना जा रहा है कि बड़ी तैयारी के साथ ये शुरूआत हुई है, क्योंकि यहां अनिल अग्रवाल की मुस्कराहट बता रही है कि क्या उन्होंने बताया है और क्या छिपाया है।

दिनेश गोयल की राह है ईजी और श्रीचंद शर्मा के सामने है चुनौती

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एमएलसी चुनाव की बात करें तो गाजियाबाद से श्रीचंद शर्मा को चुनौती मिल रही है और यहां एमएलसी दिनेश गोयल के सामने राहें आसान हैं। क्योंकि उनके सामने अभी तक कोई दावेदार चेहरा नहीं आया है। शिक्षक कोटे की बात करें तो भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक श्रीचंद शर्मा हैं। श्रीचंद शर्मा ही शिक्षक कोटे से एमएलसी हैं। यहां उन्हें पहली चुनौती शिक्षक कोटे के प्रदेश सह संयोजक पायलट राकेश त्यागी से मिलती दिखाई दे रही है। राकेश त्यागी दावेदारी में हैं और उनकी राजनीतिक सक्रियता तेजी से बढ़ी है। शिक्षक कोटे की बात करें तो गाजियाबाद से शिक्षाविद् अतुल जैन ने भी भागदौड़ शुरू कर दी है। वो शिक्षक कोटे की एमएलसी दावेदारी में एक्टिव चल रहे हैं और यहां तीसरा चेहरा अब अनिल अग्रवाल की ओर से आयेगा। शिक्षक कोटे से ये चुनौती है और जहां तक बात स्नातक कोटे की है तो यहां एमएलसी दिनेश गोयल ईजी मोड में दिखाई दे रहे हैं। उनके सामने अभी कोई दावेदार नहीं आया है। एमएलसी के रूप में दिनेश गोयल मेहनत और मजबूती के साथ चल रहे हैं।

हिंडन एयरबेस में आज मनाया जाएगा भारतीय वायु सेना का 93वां स्थापना दिवस, मौसम डाल सकता है आयोजन में खलल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भारतीय वायु सेना का बुधवार को 93वां स्थापना दिवस है। स्थापना दिवस के अवसर पर गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस में वायु सेना का सालाना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम को लेकर वायु सेना के जांबाज बीते कई हफ्तों से तैयारी कर रहे हैं। तो सोमवार को स्थापना दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई थी। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान भी बारिश खलनायक बन गई थी और पूरा कार्यक्रम हैंगर के अंदर किया गया था। बताया जा रहा है कि बुधवार को भी मौसम परिवर्तित रह सकता है। ऐसे में बारिश पूरे आयोजन पर खलल डाल सकती है। हालांकि अभी एयर फोर्स की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन कहा जा रहा है की बारिश की वजह से कार्यक्रम में अड़चन पैदा हो सकती है।

हिंडन एयरबेस में वायु सेना दिवस पर मिग-21 को दी जाएगी अंतिम सलामी
- विंटेज विमान के तौर पर किया जाएगा डिस्प्ले
- भारतीय वायु सेना का इतिहास बनेगा मिग-21

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भारतीय वायु सेना के गौरवशाली इतिहास का प्रतीक रहा मिग-21 विमान अब इतिहास के रूप में पहचाना जाएगा। देश का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान 6 दशक से अधिक सेवा देने के बाद अब रिटायर हो गया है। जिसे भारतीय वायु सेना के 93वें स्थापना दिवस पर हिंडन एयरबेस में डिस्प्ले और विंटेज विमान के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। बता दें की 26 सितंबर को चंडीगढ़ एयर बेस में आयोजित विदाई समारोह में एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने मिग-21 के बादल परफॉर्मेंस को उड़ाकर अंतिम सलामी दी थी।

मिग-21 की जगह अब तेजस संभाल रहा है जिम्मेदारी

करंट क्राइम : भारतीय वायु सेना के स्थापना दिवस पर ऐतिहासिक विमान मिग-21 को डिस्प्ले में प्रदर्शित किया जाएगा। इसे औपचारिक विदाई की सलामी दी जाएगी। मिग-21 को रूस में सन 1950 के दशक में बनाया था। भारत ने इसे 1963 में अपनी वायु सेना में शामिल किया गया। यह ध्वनि की गति से दोगुना रफ्तार से उड़ने में सक्षम है। साथ ही इसने 1965, 1971 और 1999 की जंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही 2019 में पाकिस्तान के टी-16 को मार गिराकर मिग-21 ने अपना दमखम दिखाया था। इसकी जगह अब स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान ने जगह ले रहा है। वायु सेना के वर्तमान में दो स्क्वाड्रन कार्यरत हैं और तीसरा स्क्वाड और कोबरा भी जल्द शामिल किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर और वायुवीरों की दिखेगी ताकत

करंट क्राइम : बुधवार को भारतीय वायु सेना हिंडन एयरबेस गाजियाबाद में आयोजित होने वाले 93वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में जहां सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह मुख्य रूप से उपस्थित होंगे। तो इस जलसे में पश्चिमी वायु सेना के प्रमुख के साथ ही भारतीय वायु सेना के कई पूर्व अध्यक्ष अपने परिवार के साथ इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में जहां ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन को परेशान कर देने वाले भारतीय वायु सेना के विमान और आधुनिक रडार का प्रदर्शन किया जाएगा। तो भारतीय वायु सेना के 97 अलग-अलग अधिकारियों कर्मचारियों को उनके अदम्य साहस, शौर्य और शक्ति के लिए पुरस्कृत भी किया जाएगा।

आज हिंडन एयरबेस में रहेगा सुरक्षा का अभेद घेरा

करंट क्राइम : आज भारतीय वायु सेना दिवस का स्थापना दिवस है और स्थापना दिवस को लेकर हिंडन एयरबेस को सुरक्षा के अभेद घेरे में तब्दील किया गया है। गेट से लेकर अंदर और हिंडन एयर फोर्स स्टेशन की बाउंड्री पर पैरा कमांडो के साथ ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। गेट से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कार्ड के जरिए ही एंट्री होगी। सुरक्षा के लिए कई स्थानों पर गुप्त रूप से सुरक्षा बलों को भी तैनात किया गया है।

शोक संदेश

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूजनीय श्री फतेह चन्द गोयल एडवोकेट का स्वर्गवास 27 सितम्बर 2025 दिन शनिवार को हो गया है। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी। जिनकी रस्मपगड़ी निम्न कार्यक्रमानुसार होगी।

बुधवार, 08 अक्टूबर 2025

ब्रह्मभोज..... .दोपहर 12.00 बजे .
भजन एवं श्रद्धांजली सभा.....दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक
रस्मपगड़ी..... दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक

निवास स्थान: बी-100ए, लोहिया नगर, गाजियाबाद

....कार्यक्रम स्थल....
सुख सागर फार्म हाऊस, पांडव नगर, निकट डायमण्ड फ्लाई ओवर इण्डस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद

* शोकाकुल *
आभा गोयल (पत्नी)
नरेश गोयल, अशोक गोयल (भाई)
हरीश गोयल, जिला जज (पुत्र),
पवन गोयल, बीजेपी नेता (पुत्र), संदीप गोयल, एडवोकेट (पुत्र), शिवम, सानिध्य, सार्थक एवं उमंग (पौत्रगण)
मिवान (प्रपौत्र)

कोल्ड्रिफ सिरप को पंजाब में किया गया बैन

एमपी में बच्चों की मौत के बाद सख्त एक्शन

पंजाब। पंजाब सरकार ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है. पंजाब के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर कहा कि मध्य प्रदेश सरकार की ड्रग टेस्टिंग लैबोरेट्री ने इस सिरप में डाई इथीलीन ग्लाइकॉल पाया है। जो विषैला रसायन है. मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कुछ बच्चों की मौत का कारण इसी सिरप को माना जा रहा है।

पंजाब सरकार के आदेश में स्पष्ट किया गया कि इस सिरप को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' घोषित किया गया है और पंजाब में इसकी बिक्री, उपयोग और वितरण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। इस बीच, कई राज्यों में जहरीली कफ सिरप से बच्चों की मौत का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है. वकील विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है, जिसमें इस मामले की गहन जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराने की मांग की गई है।

याचिका में जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज से कराने, डाई इथीलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल की बिक्री व निगरानी के सख्त नियम बनाने, विभिन्न राज्यों में दर्ज एफआईआर को एक जगह ट्रांसफर कर जांच कराने, विषैले सिरप बनाने वाली कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने, उनकी तत्काल बंदी और उत्पादों को बाजार से वापस मंगाने की व्यवस्था करने, साथ ही ड्रग रिकॉल पॉलिसी बनाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया कि यह मामला केवल कुछ कंपनियों की गलती का नहीं, बल्कि देश की ड्रग रेगुलेटरी सिस्टम की विफलता का है, जिसकी वजह से कई राज्यों में मासूमों की जान गई है।

हाईवे पर पलटी श्रद्धालुओं की बस, 21 घायल...

5 की हालत नाजुक, मनौना धाम से दर्शन कर के लौट रहे थे घर

बहराइच। बहराइच में हाईवे पर श्रद्धालुओं की बस पलट गई। हादसे में 21 लोग घायल हो गए। इनमें 5 की हालत नाजुक बताई जा रही है। ये सभी लोग मनौना धाम से दर्शन करके घर लौट रहे थे। चालक को झपकी आने से हादसा हो गया।

यूपी के बहराइच में मंगलवार की तड़के श्रद्धालुओं की बस हादसे का शिकार हो गई। इसमें 21 श्रद्धालु घायल हो गए। घटना से मौके पर चीख पुकार मच गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को बस से बाहर निकाला। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पांच की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी लोग मनौना धाम से दर्शन करके घर लौट रहे थे।

हादसा मोतीपुर थाना क्षेत्र में नानपारा-लखीमपुर हाईवे पर जनता ढाबा के पास सुबह करीब 5 बजे हुआ। बस में सवार 21 श्रद्धालु घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोतीपुर पहुंचाया गया। बस को सड़क किनारे कराया।

चालक को झपकी आने से हुआ हादसा

उधर, सीएचसी पर घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। बताया गया कि बस में करीब 70 श्रद्धालु सवार थे। ज्यादातर लोग श्रावस्ती के रहने वाले हैं। चालक को झपकी आने से हादसा होना बताया जा रहा है। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई है। हादसे के बाद बस चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए।

सीएम योगी का सपा पर तंज

बोले- इनके चेहरे दोहरे, हर कार्य को वोटबैंक की दृष्टि से देखते हैं

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि वाल्मीकि रामायण लिखते समय उन्होंने पूरी कथा को राम पर आधारित किया। उन्होंने यह भी बताया कि राम को क्यों आधार बनाया। स्वच्छता कर्मियों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का कवर भी देंगे। जब अकाउंट में कॉरपोरेशन से पैसा आएगा तो यह व्यवस्था करेंगे कि दुर्भाग्य से किसी सफाई कर्मचारी के साथ घटना-दुर्घटना हुई या वह आपदा की चपेट में आ गया तो बैंक से बात करेंगे कि बैंक के माध्यम से 35-40 लाख रुपये देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यूपी के 80 हजार होमगार्ड को यह कवर दे दिया गया है। अब सफाई कर्मचारियों को इस व्यवस्था से जोड़ने जा रहे हैं।

चरित्र से युक्त व्यक्ति ही लोककल्याण व राष्ट्र कल्याण का माध्यम बन सकता है

भगवान वाल्मीकि का कृतज्ञ है मानव समाज

सीएम योगी ने कहा कि वाल्मीकि रामायण लिखते समय उन्होंने पूरी कथा को राम पर आधारित किया। उन्होंने यह भी बताया कि राम को क्यों आधार बनाया, क्योंकि राम ही साक्षात धर्म हैं। मानव समाज भगवान वाल्मीकि का कृतज्ञ है।

जब भी किसी भारतीय के मन में संदेह पैदा होता है तो महर्षि वाल्मीकि ने हर स्थिति में जो आदर्श रखा, वह मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का था। उन्होंने राम के चरित्र को दिया, जो हर काल, देश, परिस्थिति में प्रासंगिक है। भाई-भाई, पिता-पुत्र, मां-बेटे, राजा-प्रजा में क्या रिश्ते होने चाहिए, उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम कहकर यह भाव भरा। राम ने मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का कभी उल्लंघन नहीं किया।

भारत के देवतुल्य ऋषियों की परंपरा ने सभी कालखंड में समाज का किया मार्गदर्शन

सीएम योगी ने कहा कि भगवान वाल्मीकि की फोटो लगाकर आज हर देव मंदिर में अखंड रामायण पाठ चल रहा है। सीएम ने अपील की कि महर्षि वाल्मीकि का चित्र हर भारतीय के घर में होना चाहिए। भारत का हर कथावाचक सबसे पहली वंदना भगवान वाल्मीकि की करते हैं। पीएम मोदी इसे एक भारत-श्रेष्ठ भारत, सबका साथ और सबका विकास कहते हैं। सीएम ने कहा कि रामराज्य वही है, जहां जाति, मजहब, संप्रदाय के नाम पर भेदभाव न हो। आज यही कार्य भाजपा की डबल इंजन सरकार कर रही है।

वोटबैंक के नाम पर जाति का सहारा लेने वालों पर हमलावर रहे सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग श्रीराम को गाली देते हैं, वे भगवान वाल्मीकि का अपमान करते हैं। भगवान वाल्मीकि का अपमान करने वाले भगवान राम का भी अपमान करते हैं। उन्होंने वोटबैंक के नाम पर जाति का सहारा लेने वालों पर हमला किया। सीएम ने कहा कि 2012 में जब सपा सरकार आई थी तो सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के स्मारक को तोड़ने की धमकी दी थी, तब भाजपा ने कहा था कि इन स्मारकों को तोड़ने वालों को यूपी की जनता तोड़कर रख देगी।

आज यह लोग प्रत्येक प्रेसवार्ता में बाबा साहेब का स्मरण करते हैं, लेकिन तब सपा के मुख्यमंत्री ने कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहेब का नाम बदल दिया था। हमने फिर उसे बाबा साहेब के नाम पर रख दिया। लखनऊ का भाषा विश्वविद्यालय मान्यवर कांशीराम के नाम पर था।

विमानन मंत्री राममोहन नायडू का बयान

'एयर इंडिया विमान हादसे की जांच में कोई गड़बड़ी नहीं'

नई दिल्ली। एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है, यह जांच नियमों के मुताबिक साफ और निष्पक्ष तरीके से की जा रही है। विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने यह बात एएआईबी की जांच पर उठ रहे सवालों के बीच कही। उन्होंने सभी से कहा कि असली वजह जानने के लिए अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार करें। विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी।

मंत्री का यह बयान तब आया है, जब कुछ लोग विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर सवाल उठा रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह जानने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ था, सभी को एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। विमानन मंत्री ने कहा, जांच में कोई हेराफेरी या कोई गड़बड़ी नहीं हो रही है। यह एक बहुत ही साफ-सुधरी और गहन प्रक्रिया है, जिसे हम नियमों के मुताबिक कर रहे हैं। नायडू राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन समारोह में बोल रहे थे।

अहमदाबाद में हुआ था विमान हादसा

12 जून को अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के गैटविक के लिए उड़ान भरने वाला एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (अक-171) टेकऑफ के कुछ सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 241 यात्री शामिल थे। इसे भारत के सबसे बड़े विमान हादसों में एक माना गया।

एएआईबी की शुरूआती रिपोर्ट और विवाद

एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट 12 जुलाई को जारी हुई थी। उसमें बताया गया था कि टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद विमान के दोनों इंजनों को जाने वाली ईंधन आपूर्ति लगभग एक साथ बंद हो गई। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट को यह कहते सुना गया कि 'तुमने कटऑफ क्यों किया?', जिस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया। 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक करने पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि इस तरह की 'चयनात्मक रिपोर्टिंग दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना' है, क्योंकि इससे मीडिया में गलत नैरेटिव बन सकता है।

आप नेताओं को पुलिस ने घर और दफ्तर पर रोका

संजय सिंह बोले- तानाशाही के खिलाफ आवाज नहीं रुकेगी

लखनऊ। आप कार्यकर्ता लखनऊ स्थित कार्यालय से बरेली जाने के लिए निकले तो गेट पर पुलिस खड़ी मिली। पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान दोनों तरफ से खींचतान दिखी। आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राजधानी लखनऊ से बरेली जाने के लिए निकला तो कार्यालय गेट पर पुलिस से सामना हुआ। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें जाने से रोका। लेकिन, आप कार्यकर्ता जाने पर अड़े रहे। इस पर कार्यकताओं और पुलिस के बीच खींचतान देखी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने आप नेता नदीम अशरफ और सरबजीत मक्कड़ को हाउस अरेस्ट किया। जबकि, इमरान लतीफ को गोमती नगर स्थित पार्टी कार्यालय पर रोक लिया गया। पार्टी नेताओं के बरेली जाने की सूचना पर पुलिस प्रशासन पहले से ही सतर्क था। पार्टी कार्यालय पर सुबह से ही पुलिस तैनात हो गई।

नफरत फैलाने और गुंडागर्दी करने की खुली छूट-सजंय सिंह

आप कार्यकर्ताओं को कार्यालय और घर में रोका गया तो सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते सरकार को घेरा। उन्होंने लिखा कि 'न कोई आदेश है, न कोई कानून। यूपी पुलिस मनमानी तरीके से लोकतांत्रिक ढंग से आवाज उठाना भी बंद कर रही है। बरेली के पीड़ितों से मिलने की भी इजाजत नहीं है। यहां नफरत फैलाने और गुंडागर्दी करने की खुली छूट है।' 'बौद्ध प्रांत के अध्यक्ष इमरान लतीफ, अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष विनय पटेल और मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे, अभिषेक सिंह को पुलिस ने बिना किसी आदेश के रोका है।

दिल्ली के चार फ्लाईओवरों की होगी जांच

रोड को चौड़ा करने के लिए बनाए जाएंगे तीन नए कल्वर्ट, जाम से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के चार फ्लाईओवरों की संरचनात्मक जांच और मजबूतीकरण के साथ यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के पास ईस्ट एंड अपार्टमेंट रोड को चौड़ा करने के लिए तीन नए कल्वर्ट बनाए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दक्षिणी दिल्ली के चार फ्लाईओवरों की संरचनात्मक जांच और मजबूतीकरण का काम शुरू करने की योजना बनाई है। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के पास ईस्ट एंड अपार्टमेंट रोड को चौड़ा करने के लिए तीन नए कल्वर्ट बनाए जाएंगे।

विभाग के अनुसार इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी। दक्षिणी दिल्ली में जिन संरचनाओं पर काम होगा उनमें अफ्रीका एवेन्यू रोड जंक्शन पर आईआईटी फ्लाईओवर, पुराना आरटीआर फ्लाईओवर, आउटर रिंग रोड पर मोदी मिल फ्लाईओवर और लाला लाजपत राय मार्ग पर बारापुल्ला नाला कल्वर्ट शामिल हैं।

इनकी सुरक्षा जांच, लोड टेस्ट और मरम्मत के लिए प्रारंभिक व विस्तृत तकनीकी अनुमान तैयार किए जाएंगे। काम पूरा होने के बाद संरचनाओं को सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। हाल के ऑडिट में पुराने आरटीआर फ्लाईओवर पर क्रैश बैरियर गायब पाए गए हैं, जबकि मोदी मिल फ्लाईओवर की सड़क सतह क्षतिग्रस्त है। आईआईटी फ्लाईओवर पर दरारें और एक्सपेंशन ज्वांइट्स की खराबी मिली है। बारापुल्ला कल्वर्ट में जलभराव और रखरखाव की कमी सामने आई है।

पूर्वी दिल्ली में न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के पास लगभग 300 मीटर लंबी ईस्ट एंड अपार्टमेंट रोड को चौड़ा किया जाएगा। यहां तीन नए कल्वर्ट बनाए जाएंगे और मौजूदा तीन कल्वर्टों की भी जांच व मजबूतीकरण होगा। इसके लिए टोपोग्राफिकल सर्वे, हाइड्रोलॉजिकल डेटा, जियोटेक्निकल जांच और डिजाइन तैयार की जाएगी।

कर्नाटक में जाति जनगणना का काम नहीं हुआ पूरा

सीएम का ऐलान- 18 अक्टूबर तक बंद रहेंगे सरकारी स्कूल

बंगलूरू। कर्नाटक में जाति सर्वेक्षण पूरा करने के लिए 18 अक्तूबर तक सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बताया कि कुछ जिलों में सर्वेक्षण लगभग पूरा हो चुका है, जबकि कई जिलों में देरी हो रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैय ने मंगलवार को राज्य के सभी सरकारी और सरकार से सहाता प्राप्त स्कूलों में आठ से 18 अक्तूबर तक के अवकाश की घोषणा की है। यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि शिक्षक 'सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण' (जिसे जाति जनगणन कहा जा रहा है) का काम कर पूरा कर सकें।

'कुछ जिलों में पूरा हो चुका सर्वेक्षण, कुछ में देरी'

यह सर्वेक्षण मंगलवार तक पूरा किया जाना था। लेकिन कई जिलों में काम देरी हो रही है। इसके चलते मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल और अधिकारियों के साथ बैठक कर सर्वेक्षण की सीमा 10 और दिन बढ़ाने का फैसला लिया है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया, हम सात अक्तूबर तक सर्वेक्षण पूरा करना चाहते थे। कुछ जिलों में यह लगभग पूरा हो चुका है। लेकिन कुछ जिलों में देरी हो रही है।

आठ कार्यदिवसों में पूरा किया जाएगा सर्वेक्षण

उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, कोप्पल जिले में 97 फीसदी सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। जबकि उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में यह क्रमशः 63 फीसदी और 60 फीसदी ही हुआ हा। हमारी उम्मीद के मुताबिक पूरे राज्य में सर्वेक्षण का काम पूरा नहीं हो पाया है। सिद्धारमैया ने कहा कि अब यह सर्वेक्षण 18 अक्तूबर तक केवल आठ कार्य दिवसों में पूरा किया जाएगा। मध्यमकालीन परीक्षा (मिड-टर्म एग्जाम) में लगे शिक्षकों को इस सर्वेक्षण कार्य से छूट दी जाएगी।

जान गंवाने वाले शिक्षकों के परिजनों को 20 लाख की सहायता

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सर्वेक्षण के दौरान ड्यूटी पर जान गंवाने वाले तीन कर्मचारियों के परिवारों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

हरियाणा पुलिस के आईजी वाई पूरन कुमार ने खुद को मारी गोली, मौत, जापान दौरे पर हैं आईएएस पत्नी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में बड़ी घटना हुई है। हरियाणा पुलिस के आईजी रैंक के अधिकारी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है और स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। पंजाब व हरियाणा की राजधानी में मंगलवार को बड़ी घटना हुई है। यहां हरियाणा पुलिस के बड़े अधिकारी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। घटना सेक्टर-11 की है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटना स्थल पर पहुंची है। जानकारी मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस की एसएसपी, सीएफएसएल और फोरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई है।

जानकारी के अनुसार हरियाणा पुलिस के आईजी वाई पूरन कुमार ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। आईजी वाई पूरन कुमार की कुछ दिन पहले रोहतक के सुनारिया जेल में तैनाती हुई थी। उन्होंने चंडीगढ़ सेक्टर-11 स्थित अपनी कोठी में सुसाइड किया है। वाई पूरण कुमार की पत्नी पी अमनीत कुमार विदेश दौरे पर हैं। आईएएस पी अमनीत कुमार, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री राव नरवीर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी जापान दौरे पर हैं।

2001 बैच के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने घर की बेसमेंट में अपने सिर में गोली मारी है। उनकी एक सप्ताह पहले 29 सितंबर को सुनारिया जेल में ट्रांसफर हुई थी। अभी उन्होंने वहां ज्वाइन नहीं किया।

सूत्रों के अनुसार घटना स्थल पर सुसाइड नोट भी मिला है, जिस चंडीगढ़ पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। हालांकि इसकी पुष्टि पुलिस नहीं कर रही है। वाई पूरन सिंह 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने घर में खुद को गोली मारी है। उधर, घटना के बाद उनके घर पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सेक्टर-16 स्थित जीएमएसएच पहुंचाया है।

डीजीपी और एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की शिकायत की थी

जानकारी के अनुसार आईजी वाई पूरन कुमार बीते डेढ़ वर्ष से काफी सूर्खियों में रहे थे। उन्हें एडीजीपी रैंक से आईजी रैंक में प्रमोट किया गया था। आईजी वाई पूरन कुमार ने पिछले वर्ष वन ऑफिसर वन हाउस पॉलिसी के तहत शिकायत दी थी और प्रदेश के कई अफसरों की शिकायत की थी। इस वजह से वह सूर्खियों में आए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कई आईपीएस अफसरों ने एक से ज्यादा सरकारी आवास ले रखे हैं। इसके अलावा उन्होंने पूर्व डीजीपी और एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पर भी जाति के आधार पर भेदभाव करने की शिकायत आयोग से की थी।

चंडीगढ़ पुलिस को 1.30 बजे मिली थी सूचना-एसएसपी

वहीं घटनास्थल पर मौजूद चंडीगढ़ पुलिस की महिला एसएसपी कंवरदीप कौर ने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना दोपहर 1.30 बजे मिली थी। सेक्टर-11 पुलिस स्टेशन से टीम मौके पर पहुंची। जहां घर पर सुसाइड की घटना हुई थी। घर से आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार का शव बरामद हुआ है। घटना स्थल पर सीएफएसएल टीम सबूत जुटा रही है। पुलिस की जांच जारी है।

चारों धामों में बर्फबारी, कई वर्षों के बाद अक्तूबर में दिखा ऐसा खूबसूरत नजारा, चोटियां बर्फ से लकदक

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में चारों धामों ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है। कई वर्षों बाद अक्तूबर में ऐसा खूबसूरत नजारा देखने को मिला है। चोटियां भी बर्फ से लकदक हैं। बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब सहित नीती और माणा घाटी में आज सुबह से बर्फबारी जारी है। कड़ाके की ठंड भी पड़ रही है। चमोली में चारों ओर बर्फ की सफेद चादर बिछी है। वहीं गंगोत्री धाम की ऊंची चोटियों में बर्फबारी हो रही है।

दो दिनों से चमोली जनपद में बारिश और बर्फबारी का सिलसिला अभी भी थमा नहीं है। बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, नर-नारायण पर्वत, उर्वशी पर्वत के साथ ही नीती और माणा घाटियों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। कई वर्षों बाद लोगों को अक्तूबर में ऐसी बर्फबारी देखने को मिल रही है। मौसम में अचानक आए इस बदलाव से कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

निजमुला घाटी के ईराणी गांव के समीप की चोटियां भी बर्फ से लकदक हो गई हैं। ईराणी गांव से आ रही फोटो और वीडियो रोमांचित करने वाली हैं। गोपेश्वर, पोखरी, नंदानगर, कर्णप्रयाग, गौचर, गैरसैंण, थराली, देवाल, नारायणबगड़ क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। उत्तराखंड के दो प्रमुख धाम बदरीनाथ और केदारनाथ समेत ऊंचाई वाले इलाकों में हुई बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिला। उधर मैदानी इलाकों में हुई बारिश ने ठंड का भी अहसास कराया।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री गिरावट के साथ 27.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, दोपहर बाद हुई तेज दौर की बारिश से न सिर्फ मौसम सुहाना हुआ, बल्कि ठंड के चलते लोगों को हल्के कर्म कपड़े भी बाहर निकल गए। हालांकि रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा। बारिश के आंकड़ों की बात करें तो अकेले दून में 9.7 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि बीते दिनों यह तापमाना सामान्य से तीन से चार डिग्री तक की बढ़ोतरी के साथ दर्ज किया जा रहा था। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक सीएस तोमर ने बताया, निम्न दबाव बनने के कारण उत्तराखंड में आठ अक्तूबर तक तेज दौर की बारिश होने की संभावना है।

75 साल की उम्र में बलात्कार में जेल भेजा...', समर्थकों के सामने रोए पूर्व सपा विधायक

एटा। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव और उनके भाई रामेश्वर सिंह यादव को 26 सितंबर को दर्ज मुकदमों में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। जमानत मिलने के बाद दोनों नेताओं को एटा जेल से रिहा कर दिया गया। एटा के अलीगंज विधानसभा से तीन बार विधायक रहे समाजवादी पार्टी के नेता रामेश्वर सिंह यादव तीन साल से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद जमानत पर रिहा हुए। रविवार को जैथरा स्थित अपने आरएस कोल्ड स्टोरेज पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए वे भावुक हो गए और रो पड़े।

संबंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र हर्ष कश्यप को उसके दुर्व्यवहार एवं गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करते हुए उससे संबंध विच्छेद कर लिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी नैतिक या अनैतिक कार्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरी अथवा मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

प्रार्थी:
संजय पुत्र श्री सीताराम
निवासी — मकान संख्या 21, गिरी मार्केट,
लोनी, थाना लोनी, जिला गाजियाबाद।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 ● नई दिल्ली। बुधवार 08 अक्टूबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

क्या क्षेत्रीय अध्यक्ष की चेतावनी को हल्के में ले गए भाजपा के महानगर पदाधिकारी

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुए केवल 5 पदाधिकारियों के दीदार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में संगठन के निर्देश भी आदेश माने जाते हैं। दैनिक करंट क्राइम ने हाल ही में ये समाचार प्रकाशित किया था कि भाजपा के भीतर इन दिनों सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। संगठन के कई पदाधिकारी संगठन के कार्यक्रमों से दूरी बनाते हैं। जनप्रतिनिधि भी कुछ इसी तरह का रवैया अपनाते हैं और ये बात क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया के संज्ञान में भी आई थी।

सूत्र बताते हैं कि हाल ही में जब सतेंद्र शिशौदिया ने बैठक ली थी तो उस बैठक में भगवा योद्धा ने ये बात रखी थी कि महानगर संगठन के कार्यक्रमों में महानगर के ही पदाधिकारी नहीं आ रहे हैं। यहां पर ये विषय भी सामने आया था कि अगर कार्यक्रम पीएम या सीएम का है तो फिर ये सभी पदाधिकारी आते हैं और कार्यक्रम के लिये पास भी बनवाते हैं, लेकिन जब संगठन का कार्यक्रम होता है तो फिर ये पदाधिकारी आसपास भी नजर नहीं आते हैं। इनके दीदार नहीं होते हैं।

बताया जाता है कि यह सुनने के बाद क्षेत्रीय अध्यक्ष ने यहां तीन बार का फॉमूर्ला बताया था। उन्होंने कहा था कि पहली बार अगर कोई पदाधिकारी नहीं आता है तो उसे माफ किया जाए, दूसरी बार के कार्यक्रम में यदि कोई पदाधिकारी अनुपस्थित रहता है और कोई कारण भी नहीं पता चलता है तो फिर उसे हाफ किया जाए, यदि तीसरी बार भी पदाधिकारी संगठन के कार्यक्रमों से गैर हाजिर रहता है तो उसे साफ कर देना चाहिए।

यहां पर क्षेत्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट किया था कि अगर संगठन के कार्यक्रम में महानगर के पदाधिकारी नहीं आ रहे हैं तो फिर उन्हें पदमुक्त कर दिया जाये। ये बात क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कही और ये माना जा रहा था कि क्षेत्रीय अध्यक्ष की बात का असर होगा और पदाधिकारी संगठन के कार्यक्रमों में दिखाई देंगे, लेकिन महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जो तस्वीर सामने आई उसने ये स्पष्ट कर दिया कि शायद क्षेत्रीय अध्यक्ष की बात को महानगर वालों ने हल्के में ले लिया।

तस्वीरें बता रही हैं कि भाजपा के महानगर कार्यालय से लेकर महर्षि वाल्मीकि पार्क पर केवल 5 के ही दीदार हुए हैं। ये हाल तब है जब महानगर में 22 लोगों की टीम है। 22 लोगों के पास दायित्व है, लेकिन तस्वीर में खुद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल हैं। यहां पर तीन महामंत्री हैं जिनमें पप्पू पहलवान हैं, राजेश त्यागी हैं और गोपाल अग्रवाल हैं। उपाध्यक्ष बोबी त्यागी नजर आ रहे हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष के आदेशों का कैसा पालन हुआ है ये दिखाई दे रहा है। यहां पर इन पांच के अलावा तस्वीरों में दो पदाधिकारी भूल-चूक लेनी-देनी वाले खाते में माने जा सकते हैं। जो इन पांच के अलावा हैं अब चर्चा यही है कि भाजपा की मैन टीम के चेहरे आखिर क्षेत्रीय अध्यक्ष के निदेर्शों के बाद भी क्यों गायब रहे हैं। अंदरखाने यही चर्चा है कि अगर इस तरह से ही पद दायित्व वाले लोग निदेर्शों की अवहेलना करेंगे तो फिर कार्यकताओं का मनोबल गिरता है। वो ये महसूस करते हैं कि अगर दायित्व वाले लोग भी संगठन के कार्यक्रमों में नजर नहीं आएंगे तो फिर हम ही क्यों जाएंगे। बहरहाल जो भी, लेकिन क्षेत्रीय अध्यक्ष के माफ, हाफ और साफ वाले फॉमूर्ले का कोई करंट दिखाई नहीं पड़ा है।

स्पीड पकड़ रहा है बढ़े हुए हाउस टैक्स का मैटर

धड़ाधड़ लिख रही हैं संस्थाएं कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को लैटर

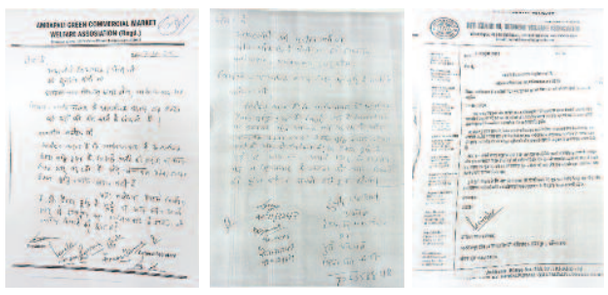

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हाउस टैक्स में वृद्धि के मामले ने तूल पकड़ा हुआ है। फूल वाले पार्षद सदन में प्रस्ताव ला चुके हैं। वो बस में बैठकर लखनऊ जा चुके हैं और ये मामला हाल ही में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने भी एक बैठक में रखा। मामले में अब आरडब्ल्यूए आगे आ गई है और आरडब्ल्यूए इस मामले में सिस्टम को फॉलो करते हुए चल रही है। वो जानते हैं कि कैबिनेट मंत्री का दर्जा अन्य जनप्रतिनिधियों से बड़ा होता है। कैबिनेट मंत्री सरकार के सामने सीधी बात रख सकते हैं। दूसरे शब्दों में वो ज्यादा पावरफुल होते हैं।

साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा कैबिनेट मंत्री हैं और वो सरकार के पास इस समस्या को ले जा सकते हैं, समाधान कर सकते हैं। वैसे तो ये मामला प्रभारी मंत्री के भी संज्ञान में है, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार को भी पता है और मेयर तो नगर निगम के सदन की मुखिया हैं, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि लोगों ने ये समझ लिया है कि समस्या का समाधान कहां से होना है। यही वजह है कि कई संस्थाओं ने अब कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को टैक्स वाला मैटर बताते हुए लेटर लिखे हैं। बताते हैं कि सरकार के मंत्री और आरडब्ल्यूए के बीच पत्राचार शुरू हो चुका है।

कई लेटर कैबिनेट मंत्री तक पहुंच चुके हैं और लेटर के मैटर में सीधे-सीधे कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को हाउस टैक्स का मैटर बताया गया है। यहां पर सबसे बड़ी बात ये है कि आरडब्ल्यूए अब टैक्स को लेकर मेयर को कोई लेटर नहीं लिख रहे हैं, वो कैबिनेट मंत्री को लेटर लिख रहे हैं। आम्रपाली ग्रीन कॉमर्शियल आरडब्ल्यूए ने एक पत्र कैबिनेट मंत्री को लिखा और ये कहा कि जनता को न्याय दिलवाईये, टैक्स की बढ़ोत्तरी जनता पर बोझ है। इसी तरह हैल्थअस फाउंडेशन के सुधीर श्रीवास्तव ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को लेटर लिखा।

सुधीर श्रीवास्तव शिप्रा सनसिटी आरडब्ल्यूए के पूर्व अध्यक्ष हैं। उनके पत्र में संस्था के कई अन्य लोगों के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने भी कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को लिखा कि हाउस टैक्स में इतनी बढ़ोत्तरी बिल्कुल भी न्याय संगत नहीं है। यह आम आदमी पर अनावश्यक बोझ है। इस संस्था ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को लिखा कि इस समस्या का समाधान आपके हस्तक्षेप से ही हो सकता है। वहीं नीतिखंड की आरडब्ल्यूए ने भी एक पत्र कैबिनेट मंत्री को लिखा। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष ने अपने पत्र में कैबिनेट मंत्री से आग्रह किया कि टैक्स की वृद्धि बहुत अधिक है। यहां पर उन्होंने ये भी कहा कि सबसे अधिक टैक्स नागरिक देते हैं और नगर निगम द्वारा दी जा रही सुविधाओं के अनुपात में यह टैक्स बहुत अधिक है। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष परविंदर यादव ने कैबिनेट मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि आम आदमी पर बेहद गंभीर वित्तीय बोझ इस कर वृद्धि के माध्यम से डाला गया है। सुविधाओं के अनुपात में ये बेहद अन्यायपूर्ण है।

सूत्र बताते हैं कि लेटर का ये क्रम आगे भी जारी रहने वाला है। कई अन्य सामाजिक संस्थाएं, आरडब्ल्यूए भी पत्र के माध्यम से अब कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से अनुरोध कर रहे हैं। वो बता रहे हैं कि आप इस समस्या का समाधान करा सकते हैं, हमारी बात को प्रभावशाली तरीके से सरकार तक पहुंचा सकते हैं। सूत्र बताते हैं कि अभी और कई लेटर कैबिनेट मंत्री तक पहुंचने वाले हैं।

ट्रांस हिंडन पुलिस ने 11 शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली

गाजियाबाद, करंट क्राइम : अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों पर नकेल कसने के लिए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस कमिश्नर रे रविंदर गौड के निर्देश में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 11 शातिर अपराधियों की ट्रांस हिंडन पुलिस ने हिस्ट्रीशीट खोली है। इन 11 अपराधियों पर 48 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जो चोरी, नकबजनी, धोखाधड़ी और अन्य आपराधिक वारदातों में लिप्त रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि इन सभी अपराधियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है ताकि क्षेत्र में अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

इन बदमाशों की खोली गई है हिस्ट्रीशीट

विक्रम सिंह थाना कौशांबी (05 मुकदमे), सुधीर कुमार थाना कौशांबी (05 मुकदमे), साजन उर्फ मयंक थाना कौशांबी (03 मुकदमे), मंजीत उर्फ दीपक थाना कौशांबी (03 मुकदमे), पंकज थाना लिंक रोड (09 मुकदमे), आदिल थाना टीला मोड़ (05 मुकदमे), रजब थाना टीला मोड़ (02 मुकदमे), सूरज थाना टीला मोड़ (06 मुकदमे), इमरान उर्फ इम्मन थाना टीला मोड़ (03 मुकदमे), साजन सेठी थाना टीला मोड़ (05 मुकदमे), नईम उर्फ नहींम थाना टीला मोड़ (02 मुकदमे)।

डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर उन्हें कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

संघ के किस बड़े चेहरे ने दी ठाकुर साहब के घर पर दस्तक

लगाने वाले लगा रहे हैं लोकसभा से लेकर विधानसभा तक अपना मस्तक

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। संघ का इफेक्ट भाजपा में क्या है ये सब जानते हैं। संघ के बारे में ये कहा जाता है कि उनकी हां में करंट हो या ना हो, लेकिन उनकी ह्यनाह्ल में इतना करंट है कि अच्छों-अच्छों की दावेदारी का फ्यूज उड़ जाता है। बड़े से बड़े खिलाड़ी का गेम संघ वालों की ह्यनाह्ल बिगाड़ देती है। सियासत वालों के घर अगर संघ वाले आए हैं तो जाहिर है कि इसका सियासी मकसद भी तलाशा ही जायेगा। क्यों ये कहा जाता है कि संघ के चेहरे ऐसे ही किसी के यहां दस्तक नहीं देते हैं। खासतौर से जब चुनावी रण की तैयारी चल रही हो तब संघ के प्रभावशाली चेहरे का किसी के घर आना सियासी चचाओं को जन्म देता ही है। सूत्र बताते हैं कि संघ के एक बड़े चेहरे गाजियाबाद आए। वो अपने जिस कार्यक्रम से आए थे पहले वहां गए और फिर उनके कदम विशेष रूप से भगवा गढ़ के ठाकुर चेहरे के निवास पर पड़े हैं।

कदमों की ये दस्तक बता रही है कि कुछ तो कहानी है, ऐसे ही तो संघ के इतने बड़े भाई साहब घर नहीं आए हैं। जब केंद्र से लेकर प्रदेश तक भाजपा की सरकार है और दावेदारी का साइलेंट राउंड शुरू हो गया है तब ऐसे में भगवा गढ़ के ठाकुर चेहरे के घर पर संघ वालों का आना कुछ तो संकेत दे रहा है। सूत्र बताते हैं कि जिन ठाकुर चेहरे के घर पर संघ के बड़े चेहरे की कदमपोशी हुई है वो भगवा ठाकुर साहब सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत हैं। उनकी पृष्ठभूमि भाजपा की है और अब जब संघ वालों की आमद हो गई है तो फिर ये चर्चा भी शुरू हो गई है कि कहीं ठाकुर समाज की खाली चल रही भागीदारी को फिल करने के लिये संघ वालों की ये दस्तक तो नहीं है।

विधानसभा में ठाकुर चेहरा इस समय गाजियाबाद से नहीं है। लोकसभा में जनरल वीके सिंह के जाने के बाद से आसपास के जनपदों में कोई ठाकुर चेहरा नहीं है। एमएलसी की बात करें तो नोएडा-गाजियाबाद में भी कोई ठाकुर चेहरा नहीं है। अब संघ वालों का अगर भगवा ठाकुर के घर आना हुआ है तो फिर भगवा गढ़ में ही ये चर्चा है कि कहीं ठाकुर कोटा पूरा करने की कोई रणनीति तो नहीं बन रही है।

मसूरी थानाक्षेत्र में युवक की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के देहात जोन अंतर्गत आने वाले थाना मसूरी क्षेत्र में मंगलवार रात उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि घटना किसी आपसी विवाद के बाद हुई। घटना जेल चौकी क्षेत्र के सिकरोड़ा फाटक के पास की बताई जा रही है। गोली चलने की आवाज सुनते ही इलाके में अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना के बाद डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी मसूरी लिपि नगायच, एसएचओ मसूरी अजय चौधरी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। एसीपी मसूरी ने बताया है कि मृतक की पहचान आसिफ पुत्र अकबर, निवासी डासना के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। वहीं डीसीपी देहात और एसीपी मसूरी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान हो सके। फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच कर शुरू कर दी है।

अस्थाई पार्किंग का मुद्दा गहराया, व्यापारियों में आक्रोश

बोले, जल्द निकाला जाए समाधान, व्यापार में हो रहा है भारी नुकसान

- नेहरू युवा केंद्र की पार्किंग में खड़ी हो पाती हैं सिर्फ 50 से 70 गाड़ियां

- अंबेडकर रोड और तुराब नगर खरीदारी करने वाले लोगों को होना पड़ रहा है परेशान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : त्यौहारी सीजन की शुरूआत हो चुकी है। बाजार में भीड़ भी बढ़ानी शुरू हो गई है लेकिन पार्किंग की उपयुक्त व्यवस्था न होना और जो व्यवस्था है, वह जल्द ही धवस्त हो जाने की वजह से इन दिनों शहर के लोग जाम और अतिक्रमण से नाराज हो रहे हैं। तो वहीं अंबेडकर रोड से लेकर तुराब नगर तक के व्यापारी अपने व्यापार के प्रभावित और रोजाना नुकसान होने से नाराज हैं। व्यापारियों में आक्रोश बढ़ रहा है। उनका कहना है कि लगातार ट्रैफिक पुलिस, स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत करने के बावजूद अस्थाई पार्किंग का कोई समाधान नहीं निकल रहा है। साथ ही जो प्रशासन और पुलिस द्वारा पार्किंग व्यवस्था की जाती है, वह थोड़े ही समय में भर जाती है। वाहन पार्किंग फुल होने का बोर्ड लग जाता है। जिसके बाद सड़क के किनारे लोग वाहन लगाते हैं। इससे जाम लगता है और लोग बाजार आने से कतरा रहे हैं। व्यापारियों का तो कहना है कि त्यौहारी सीजन में अगर खरीदार दुकान तक नहीं पहुंचेंगे तो भारी नुकसान होना तय है।

व्यापारियों का आरोप इस बार लेट खोली गई है अस्थाई पार्किंग

करंट क्राइम : बता दें की गाजियाबाद शहर में पार्किंग की व्यवस्था अधिकांश जगह भगवान भरोसे ही है। अंबेडकर रोड पर नेहरू युवा केंद्र में हर साल पितृपक्ष में ही वाहन पार्क करने के लिए अस्थाई व्यवस्था शुरू कर दी जाती थी लेकिन आरोप है कि इस बार यह व्यवस्था दशहरे के बाद शुरू हुई है। जिसकी वजह से बाजार में आने वाले लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। व्यापारी गौरव गर्ग ने कहा है की पार्किंग की ठीक व्यवस्था न होने से रोजाना लोग बाजार से मुंह मोड़ रहे हैं। जिससे लाखों का नुकसान हो रहा है। व्यापारियों कहना है की पार्किंग व्यवस्था में देरी के लिए पुलिस प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधि जिम्मेदार हैं।

पार्किंग की समस्या के लिए शहर विधायक को भी दे चुके हैं पत्र

करंट क्राइम : अंबेडकर रोड टू तुराब नगर से जुड़े व्यापारियों ने जानकारी दी है कि बीते दिनों उन्होंने शहर विधायक संजीव शर्मा को एक लैटर दिया था। इसमें मांग की गई थी कि यहां जीडीए दुकान बना दें ताकि कुछ आर्थिक लाभ हो और अन्य स्थान पर पार्किंग शुरू कराई जाए ताकि बाजार में जाम ना लगे। लोगों के वाहन सड़क पर न होकर अस्थाई पार्किंग स्थल में खड़े हों। हालांकि पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि यहां पार्किंग की व्यवस्था घंटे के हिसाब से की गई है ताकि दिनभर लोग अनावश्यक गाड़ी ना खड़ी करें, लेकिन वर्तमान में यहां 50 से 70 गाड़ियां ही खड़ी हो पाती हैं। इसके बाद पार्किंग फुल होने का बोर्ड लगाना पड़ता है।

पुलिस कमिश्नर और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों तक पहुंच चुका है मामला

करंट क्राइम : बता दें कि गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के लिए तमाम प्रयास और बंदोबस्त कर रहे हैं। तो वहीं प्रत्येक जोन में एसीपी स्तर के अधिकारी की तैनाती की गई है ताकि यातायात व्यवस्था सुधार लाया जा सके, लेकिन पार्किंग व्यवस्था पर्याप्त न होने पर सड़क पर वाहनों के खड़े होने से यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है। तो लोग बाजार में जाने से तौबा भी कर रहे हैं।

पुलिस से व्यापारियों ने की नो पार्किंग जोन बनाने की मांग

करंट क्राइम : अंबेडकर रोड और तुराब नगर के व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि दीपावली को देखते हुए आगामी 15 दिन तक अंबेडकर रोड को नो पार्किंग जोन घोषित कर दिया जाए। जो लोग भी सड़क पर या पीली पट्टी से पीछे वाहन खड़े करते हैं, उनके भी चालान किए जाएं ताकि जाम वाली स्थिति से बचा जा सके। जाम नहीं लगेगा तो लोग बाजार तक आएंगे, खरीदारी करेंगे और आर्थिक स्थिति से व्यापारियों को मदद मिलेगी और लोगों को भी सहूलियत होगी

शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान आसपास खोजा जा रहा है ताकि समाधान निकाला जा सके।

सचिदानंद, एडीसीपी ट्रैफिक

संपादकीय

किधर जाएगा बिहार

बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे, जिसकी मतगणना 14 नवंबर को होगी। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन से जुड़े विवादों और प्रशांत किशोर की जन सुराज की एंट्री के बीच नीतीश कुमार के सुशासन को चुनौती मिल रही है।

बिहार के राजनीतिक दल चाहते थे कि राज्य में विधानसभा चुनाव लंबा न खींचा जाए। चुनाव आयोग ने उनकी बात मान ली। राज्य में दो चरणों में वोटिंग होगी - 6 और 11 नवंबर। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होनी चाहिए, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, वोटिंग तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं।

जन सुराज की एंट्री पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में NDA ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में ठऊअ और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था - इस दफा समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं।

सुशासन को चुनौती मई 2014 से फरवरी 2015 के बीच के वक्त को छोड़ दिया जाए, तो 2005 से नीतीश कुमार सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद सीएम वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है।

कानून-व्यवस्था पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और BJP ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में 'जंगलराज' की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्ष पूछ रहा है।

बड़ी घोषणाएं बिहार चुनाव बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं RJD और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

केंद्रीय कैबिनेट ने 24634 करोड़ की चार रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी, 894 किलोमीटर बढ़ेगा रेल नेटवर्क

नई दिल्ली। स्वीकृत रेल परियोजनाओं में महाराष्ट्र में 314 किलोमीटर लंबा वर्धा-भुसावल खंड, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में फैला 84 किलोमीटर लंबा गोंदिया-डोंगरगढ़ खंड, गुजरात और मध्य प्रदेश को कवर करने वाला 259 किलोमीटर लंबा वडोदरा-रतलाम कॉरिडोर और मध्य प्रदेश में 237 किलोमीटर लंबा इटारसी-भोपाल-बीना खंड शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने मंगलवार को 24,634 करोड़ रुपये की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। स्वीकृत रेल परियोजनाओं में मध्य भारत में क्षमता और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रमुख मार्गों पर तीसरी और चौथी लाइनों का निर्माण शामिल है।

स्वीकृत रेल परियोजनाओं में महाराष्ट्र में 314 किलोमीटर लंबा वर्धा-भुसावल खंड, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में फैला 84 किलोमीटर लंबा गोंदिया-डोंगरगढ़ खंड, गुजरात और मध्य प्रदेश को कवर करने वाला 259 किलोमीटर लंबा वडोदरा-रतलाम कॉरिडोर और मध्य प्रदेश में 237 किलोमीटर लंबा इटारसी-भोपाल-बीना खंड शामिल हैं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्यों के 18 जिलों को कवर करने वाली चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर का इजाफा होगा।

स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3,633 गांवों, जिनकी आबादी लगभग 85.84 लाख है, और दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं।

'भारत में हो रहा दुनिया का 50% रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन' : वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 261 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 18,580 करोड़ से ज्यादा यूपीआई लेनदेन किए। एक दशक में, हमने यूरोपीय संघ के बराबर आबादी को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर में फिनटेक कंपनियों की संख्या के मामले में भारत तीसरे स्थान पर है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत डिजिटल भुगतान प्रणाली में अग्रणी है और दुनिया के आधे रियल टाइम डिजिटल लेनदेन देश में ही होते हैं। मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में बोलते हुए, सीतारमण ने कहा कि दुनिया के आधे रियल टाइम डिजिटल लेनदेन भारत में होते हैं, जिनकी अपनाने की दर 87% है, जबकि वैश्विक औसत 67% है।

फिनटेक कंपनियों की संख्या के मामले भारत तीसरे स्थान पर

उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 261 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 18,580 करोड़ से ज्यादा यूपीआई लेनदेन किए। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में फिनटेक कोई विशिष्ट शहरी सुविधा नहीं है, बल्कि यह देशव्यापी आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाला है।

सीतारमण ने कहा कि एक दशक में, हमने यूरोपीय संघ के बराबर आबादी को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर में फिनटेक कंपनियों की संख्या के मामले में भारत तीसरे स्थान पर है। भारत ने आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे के माध्यम से सार्वजनिक वित्त के संचालन के तरीके को बदला है, और भविष्य में भी ये तरीके अपनाए जाएंगे।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 136 अंक चढ़ा, निफ्टी 25100 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 136.63 अंक उछलकर 81,926.75 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30.65 अंक की बढ़त के साथ 25,108.30 पर बंद हुआ।

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को लगातार चौथे दिन बढ़त दर्ज की गई। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में तेजी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की लिवाली से यह बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 136.63 अंक या 0.17 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 519.44 अंक या 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,309.56 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30.65 अंक या 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,108.30 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे गिरकर 88.78 (अनंतिम) पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख लाभ में रहे।वहीं एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट और इंफोसिस पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोप के शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 65.37 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.15 प्रतिशत गिरकर 65.37 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 313.77 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,036.39 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 582.95 अंक या 0.72 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 पर और निफ्टी 183.40 अंक या 0.74 प्रतिशत बढ़कर 25,077.65 पर बंद हुआ।

विश्व बैंक ने बढ़ाया भारत की वृद्धि दर का अनुमान

उपभोक्ता खर्च से मजबूत बने रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास अनुमान को पहले के 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। उपभोक्ता खर्च में लगातार मजबूती के चलते भारत देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है।

विश्व बैंक ने मंगलवार को भारत की चालू वित्तीय वर्ष की वृद्धि दर का अनुमान 6.3% से बढ़ाकर 6.5% कर दिया। बैंक ने कहा कि उपभोक्ता खर्च में लगातार मजबूती के चलते भारत देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, विश्व बैंक ने चेतावनी दी कि अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50

प्रतिशत शुल्क अगले वर्ष देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डाल सकते हैं। इसने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। वित्त वर्ष 2027-28 के लिए विश्व बैंक ने 6.3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने कहा कि घरेलू परिस्थितियां, खासकर कृषि उत्पादन और ग्रामीण मजदूरी वृद्धि, अपेक्षा से बेहतर रही हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सरकार के सुधारों, कर स्लैब की संख्या कम करना और अनुपालन को सरल बनाने से गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दक्षिण एशिया के विकास दर अनुमान को घटाया गया

इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्वानुमान को घटा दिया गया है। अमेरिका को भारत के लगभग तीन-चौथाई माल निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के परिणामस्वरूप। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दक्षिण एशिया में विकास दर 2025 में 6.6 प्रतिशत से घटकर 2026 में 5.8 प्रतिशत रह जाने की उम्मीद है। इस मंदी के बावजूद, विकास दर अन्य उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) क्षेत्रों की तुलना में अधिक मजबूत रहेगी।

इसमें कहा गया है कि मुद्रास्फीति के केंद्रीय बैंक के लक्ष्य के भीतर बने रहने या उसके अनुरूप रहने की उम्मीद है।

रोचक तथ्यों का करंट

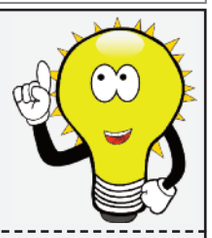

- दुनियाभर में सभी उम्र के 350 मिलियन लोग अवसाद से ग्रस्त हैं।
- मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी समस्याओं के लगभग 30% लोग भी अवसाद से पीड़ित हैं।
- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दो गुणा अधिक होने की वजह से प्रमुख अवसाद से पीड़ित हैं।
- जिन लोगों में से 15% अवसाद से ग्रस्त होते हैं, वे हर साल अपनी जान लेते हैं।
- अवसाद के कारण आपको सामान्य रूप से 3 से 4 गुना अधिक सपने आते है।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के मुताबिक, 6% से अधिक बच्चे अवसाद से ग्रस्त हैं और उनमें से 4.9% की बड़ी अवसाद है।
- गंभीर अवसाद कोशिकाओं में बुढ़ापे की प्रक्रिया को बढ़ाकर हमें जैविक रूप से अधिक उम्र का बना सकता है।
- अवसाद के लगभग 80% पीड़ित उपचार प्राप्त नहीं कर रहे हैं।
- हास्य कलाकारों और हास्यास्पद लोगों पर किए गए शोध से पता चला है कि वे आमतौर पर औसत से अधिक उदास हैं।

राशिफल

मेष : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें।

वृष : अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुन : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं।

कर्क : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

सिंह : पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें।

कन्या : परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

तुला : थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक : शरीर साथ नहीं देगा। स्वास्?थ्य का ध्यान रखें। उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी।

धनु : प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी।

मकर : कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे।

कुंभ : आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन : अनहोनी की आशंका रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

चुटकुले

रिंकू- भाई मेरी बीवी बहुत ज्यादा गुस्सा करती है,
पिंकू- मेरी भी पहले करती थी लेकिन अब नहीं करती।
रिंकू- तुमने गुस्सा कैसे कम किया?
पिंकू- एक दिन वो बहुत ज्यादा गुस्से में थी तो मैंने कह दिया कि बुढ़ापे में गुस्सा आ ही जाता है, उसके बाद से बहुत प्यार से बात करती है!

बिट्टू - तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला?
सिट्टू - भाई तेरे कहने पर उसे चैन गिफ्ट की थी, इसलिए निकाला.
बिट्टू - चांदी की थी क्या?
सिट्टू- नहीं साइकिल की थी।

किट्टू- सोचा था दो शादियां करूंगा, 1 पीटेगी तो दूसरी बचाएगी
रात को सपना देखा, एक ने पकड़ रखा था, दूसरी पीट रही थी।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

08 10 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

समीक्षा सिंह
अभिनेत्री

शिवानी सैनी

रेखा चौधरी

प्रतिमा पाठक

अरविन्द चौधरी

डॉ. अनिल शर्मा

ललित कश्यप

अशोक चावला

प्रशांत सिंह

हरीश खैर

लोकेश गुप्ता

मोहित नागर

आर शर्मा

संदेश यादव

सौरभ शर्मा

सुमित शिशौदिया

रवि त्रिपाठी

सुमित

कुशल पाल त्यागी

रोहित शर्मा

रविश कुमार

शादाब खान

अजय रावत

देव

विनय चौधरी

संजीव शर्मा

गुरमीत सिंह

कार्तिक

सौरव सिंह

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

पप्पू कॉलोनी से निकली महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर विशाल शोभा यात्रा

शहर विधायक संजीव शर्मा, पार्षद यशपाल पहलवान ने फीता काटकर किया शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पप्पू कलोनी में महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष में एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन हुआ। गली नम्बर 6 महाऋषि वाल्मीकि आश्रम से यह यात्रा शुरू हुई और पूरे क्षेत्र में धूमधाम से निकाली गई।

पार्षद यशपाल पहलवान के नेतृत्व में यह शोभायात्रा पप्पू कालोनी गली नम्बर 6 वाल्मीकि आश्रम से विधि विधान के साथ शुरू हुई। शोभायात्रा में महऋषि वाल्मीकि की झांकी को विधिविधान से फूलमालाओं से सजा कर उनकी आरती की गई । मुख्य अतिथि शहर विधायक संजय शर्मा, महामंत्री पप्पू पहलवान ने नारियल फोड़कर झांकी को प्रस्थान किया गया। झांकी में भगवान श्रीराम, सीता जी, लक्ष्मण, राधा -कृष्ण, भोलेनाथ शिव ,पार्वती जी, हनुमान जी, भारतमाता, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर आदि चित्र लगाए गए थे। मनमोहक झांकियां बैंड बाजा ढोल नगाड़े के साथ शरू हुईव। युवाओं ने अखाड़े के करतब दिखाए। शोभायात्रा 80 फूटा रोड छावड़ा कालोनी से लेकर वाल्मीकि आश्रम तक फैली थी। लोगो ने भजन गाए व कलाकारों ने नृत्य किया। झांकी वाल्मीकि आश्रम गली नम्बर 6 से होते हुए डीएलएफ कालोनी भोपुरा दिल्ली वजीराबाद रॉड पेट्रोल पम्प विक्रम एन्क्लेव छावड़ा कालोनी पप्पू कलोनी वाल्मीकि आश्रम पर समापन हुआ ।

इस मौके पर पार्षद रेखा गोस्वामी, क्षेत्रीय पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, समिति के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने सभी आए अतिथियों का स्वागत व्यापत का पहनकर सम्मानित किया।

शोभा यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया तथा आम लोगो ने फल, शीतल पेय, मिठाई , नमकीन आदि खाने पीने का वितरण किया।-वही युवाओं ने अखाड़े के करतब दिखाए और लोगो ने भजन गाए। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया और आम लोगों ने फल, शीतल पेय, मिठाई, नमकीन आदि खाने-पीने का वितरण किया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित

मयंक गोयल बोले, महर्षि वाल्मीकि के आदर्श आज भी समाज के पथप्रदर्शक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाज़ियाबाद के नेतृत्व में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर दो स्थानों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहला कार्यक्रम भाजपा महानगर कार्यालय, नेहरू नगर में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जहाँ कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन आदर्शों को नमन किया।

दूसरा कार्यक्रम महर्षि वाल्मीकि पार्क, नवयुग मार्केट में आयोजित हुआ, जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नगरजनों ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि वाल्मीकि समाज सुधार, ज्ञान और धर्म के प्रतीक रहे हैं। उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि कर्म, समर्पण और सत्य के मार्ग पर चलकर हर व्यक्ति महान बन सकता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महर्षि वाल्मीकि का योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। वाल्मीकि समाज के वरिष्ठ नेता प्रदीप चौहान ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने समाज में समानता और सम्मान का संदेश दिया। उनका जीवन हमें प्रेरित करता है कि हम भेदभाव मिटाकर सामाजिक एकता और सद्भाव को प्राथमिकता दें।

इस अवसर पर महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल, पप्पू पहलवान, राजेश त्यागी, बॉबी त्यागी, प्रदीप चौधरी, बीएल गौतम, संजय रावत, राजन बाल्मीकि, सोनू धीमान, गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, ऋचा भदौरिया, पुष्पा पांडे, शैली सेठी, नीरज त्यागी, विपिन सैनी, राजेंद्र तितौरिया समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी, मोर्चा प्रमुख, मंडल अध्यक्ष, पार्षद और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों पर चलने और समाज में समरसता फैलाने का संकल्प लिया।

सपा के बाद आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को बरेली जाने से रोका

वरिष्ठ नेत्री डॉ छवि यादव को किया घर पर नजरबंद

गाजियाबाद। करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के बाद अब आम आदमी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल बरेली जाने की तैयारी में था लेकिन पुलिस ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को जाने से रोक दिया। आम आदमी पार्टी की ओबीसी प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्षा डॉ छवि यादव को बरेली जाने से पूर्व ही उनके इंदिरापुरम आवास से हाउस अरेस्ट कर लिया गया। डॉ छवि यादव को आम आदमी पार्टी की तरफ से प्रतिनिधि के रूप में बरेली जाना था लेकिन पुलिस प्रशासन के जैसे ही संज्ञान में आया सुबह से ही उनकी लोकेशन ट्रेस की जा रही थी। उनकी मौजूदगी को जानने के लिए बार-बार फोन कर कर भी पूछा जा रहा था ।

ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर छवि यादव ने प्रदेश सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में संवैधानिक तरीके से विरोध करना भी गुनाह हो गया है। सरकार पुलिस प्रशासन के बल पर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करने वालों का उत्पीड़न कर रही है ।

डॉ छवि यादव ने कहा कि जितनी तत्परता आम आदमी पार्टी के नेताओं पर कड़ी निगरानी रख रही है काश उतनी निगरानी प्रदेश की कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा पर रखे तो प्रदेश की जनता के हित में होगा। लोकतंत्र में ज्यादा दिन तक जनता की अभिव्यक्ति को दबाया नहीं जा सकता है।

समाजवादी पार्टी कार्यालय में मनाई गई भगवान वाल्मीकि जयंती

महर्षि के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन व महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में हुआ आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 7 अक्टूबर 2025 को समाजवादी पार्टी कार्यालय, आरडीसी-4 पर भगवान वाल्मीकि जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन (एडवोकेट) एवं महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव (एडवोकेट) ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण कर किया गया।

वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श समाज में समानता, न्याय और सत्य के प्रतीक हैं। फैसल हुसैन ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपने ज्ञान और लेखनी से समाज को नई दिशा दी। वीरेंद्र यादव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के विचार समाजवाद की मूल भावना के अनुरूप हैं, जो हर वर्ग को समान अवसर और सम्मान प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें नितिन त्यागी, राजन कश्यप, रमेश चंद्र यादव, सरवन कुमार त्यागी, मधु चौधरी, मनोज पंडित, कर्मवीर सिंह जाटव, इरफान अमानत चौधरी, असलम कुरैशी, मोहम्मद अब्बास हैदर, साकिर हुसैन, विवेक त्यागी, शाहनवाज खान, राजवीर सिंह, मुकेश यादव, कृष्ण कुमार यादव, राहुल यादव, सुनील यादव, नवीन कुमार शर्मा, उमेश कश्यप, बाबा खान, प्रशांत नगर, आकाश फौजी, सोनू सैनी, वसीम बाबू, प्रदीप गहलौत, अजय कुमार, मजीद खान, सतीश पर्चा, देवत धामा, मदनपाल गौतम, सतीश कुमार, दीपक राजोरा, सूरजपाल, रिजवान चौधरी, खालिद खान, वीरेंद्र गुर्जर, मणिपाल शर्मा, आशीर्वाद चौधरी, एजाज खान, खालिद बुखारी, राहुल रावत और कार्यालय प्रभारी शामिल रहे।

पीएम मोदी ने पैरा एथलीटों को सराहा, एथलेटिक्स चैंपियनशिप के प्रदर्शन को बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली। भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य सहित रिकॉर्ड 22 पदक जीते जो जापान के कोबे में 2024 में में जीते 17 पदक के उसके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय पैरा एथलीटों के प्रदर्शन को सराहा है। पीएम मोदी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताते हुए सोमवार को कहा कि इस प्रतियोगिता में देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा। भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य सहित रिकॉर्ड 22 पदक जीते जो जापान के कोबे में 2024 में में जीते 17 पदक के उसके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सभी पदक विजेताओं की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए एक्स पर लिखा, हमारे पैरा एथलीटों का ऐतिहासिक प्रदर्शन! इस साल की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप बहुत खास रही। भारतीय दल ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें छह स्वर्ण पदक सहित 22 पदक जीते। हमारे एथलीटों को बधाई। उनकी सफलता कई लोगों को प्रेरित करेगी। मुझे हमारे दल के प्रत्येक सदस्य पर गर्व है और मैं उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। दिल्ली में इस टूनामेंट की मेजबानी करना भी भारत के लिए सम्मान की बात है। इस टूनामेंट का हिस्सा रहे लगभग 100 देशों के एथलीटों और सहयोगी स्टाफ का आभार। रिलायंस की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने भी पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले पैरा एथलीट्स को बधाई दी।

आनंद बनाम कास्परोव, शतरंज के दो दिग्गजों की ऐतिहासिक भिड़ंत 30 साल बाद फिर आमने-सामने

सेंट लुई। यह टूनामेंट 12 बाजियों का होगा जिसकी कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर (करीब 1.20 करोड़ रुपये) रखी गई है। विजेता को 70,000 डॉलर (करीब 62 लाख रुपये) मिलेंगे, जबकि हारने वाले को 50,000 डॉलर (करीब 44 लाख रुपये) की राशि दी जाएगी।

शतरंज की दुनिया एक बार फिर इतिहास दोहराने जा रही है। पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और दिग्गज रूसी ग्रैंडमास्टर गैरी कास्परोव 30 साल बाद एक बार फिर आमने-सामने होंगे। दोनों के बीच यह रोमांचक मुकाबला बुधवार से 'क्लच शतरंज : द लीजेंड्स टूनामेंट' में सेंट लुई शतरंज क्लब में खेला जाएगा।

12 बाजियों की जंग, करोड़ों की इनामी राशि

यह टूनामेंट 12 बाजियों का होगा जिसकी कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर (करीब 1.20 करोड़ रुपये) रखी गई है। विजेता को 70,000 डॉलर (करीब 62 लाख रुपये) मिलेंगे, जबकि हारने वाले को 50,000 डॉलर (करीब 44 लाख रुपये) की राशि दी जाएगी। यदि मुकाबला बराबरी पर खत्म होता है, तो दोनों खिलाड़ियों को 60,000 डॉलर (करीब 53 लाख रुपये) मिलेंगे। साथ ही 24,000 डॉलर (करीब 21 लाख रुपये) का बोनस भी तय किया गया है।

1995 की यादें फिर होंगी ताजा

आनंद और कास्परोव आखिरी बार 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर विश्व चैंपियनशिप में आमने-सामने हुए थे। उस समय कास्परोव ने 20 बाजियों के इस मैच में 10.5-7.5 से जीत दर्ज की थी। कास्परोव ने 2004 में संन्यास ले लिया था और अब केवल ब्लिट्ज या प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लेते हैं, जबकि आनंद अब कभी-कभार शीर्ष टूनामेंटों में दिखाई देते हैं।

तीन दिनों में तय होगी बादशाहत

यह प्रतियोगिता तीन दिनों तक चलेगी, जिसमें हर दिन चार बाजियां खेली जाएंगी, दो रैपिड और दो ब्लिट्ज। पहले दिन हर जीत पर एक अंक, दूसरे दिन दो अंक और तीसरे दिन तीन अंक मिलेंगे। इस स्कोरिंग प्रणाली से मुकाबला आखिरी दिन तक रोमांचक बने रहने की उम्मीद है।

फ्रीस्टाइल शतरंज में पहली भिड़ंत

दिलचस्प बात यह है कि यह मैच अब ह्यफ्रीस्टाइल शतरंजह्न के नाम से जाना जा रहा है, जिसमें खिलाड़ियों को पारंपरिक सीमाओं से हटकर खेलने की छूट होती है। शतरंज प्रेमियों के लिए यह मुकाबला सिर्फ दो दिग्गजों की भिड़ंत नहीं, बल्कि तीन दशकों पुरानी प्रतिद्वंद्विता की पुनर्जीवित कहानी है।

गाज़ियाबाद पुलिस का अपराधियों पर सख्त अभियान

10 वर्षों के अपराधियों का थानों पर सत्यापन, भविष्य में अपराध न करने की दी चेतावनी

गाजियाबाद करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देशन में कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने अपराध रोकथाम और समाज में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। नगर जोन के सभी थानों ने लूट, डकैती, स्नैचिंग जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त पिछले 10 वर्षों के अपराधियों और जमानत पर चल रहे अपराधियों को थानों पर तलब किया। थानों में बुलाए गए सभी अपराधियों का सत्यापन किया गया और उन्हें भविष्य में अपराध न करने की कड़ी चेतावनी दी गई। पुलिस ने उनसे लिखित और मौखिक आश्वासन लिया कि वे अब किसी भी प्रकार के अपराध में शामिल नहीं होंगे।

डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और समाज में अपराध नियंत्रण तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

लेवानदॉस्की की चूक से बार्सिलोना को मिली हार पुलिसिच की गलती से रुका मिलान का जीत का सिलसिला

नई दिल्ली। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रविवार का दिन बार्सिलोना के लिए निराशाजनक रहा। टीम को सेविला के खिलाफ 1-4 की करारी हार झेलनी पड़ी, जो उसकी लगातार दूसरी हार है। इससे पहले बार्सिलोना को चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में रॉबर्ट लेवानदॉस्की के पास पेनल्टी के जरिए गोल करने का शानदार मौका था, लेकिन वह गोल पोस्ट को भेद नहीं सके। उनके शॉट को सेविला के गोलकीपर ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया, जिससे टीम के वापसी के मौके लगभग खत्म हो गए। मैच के दौरान टीम के युवा स्टार लेमिन यमाल चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए, जिससे जावी की टीम के लिए मुश्किलें और बढ़ गईं। इस हार के साथ बार्सिलोना अंक तालिका में पिछड़ गई है, जबकि रियल मैड्रिड ने शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रियल मैड्रिड ने शनिवार को विलारीयाल को 3-1 से हराकर दो अंकों की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना, जो इस मैच से पहले तक अजेय थी,

अब अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले अपनी रणनीति पर गंभीर समीक्षा करेगी। पुलिसिच की पेनल्टी मिस से रुक गया मिलान का जीत का सिलसिला इटली की सिरी ए लीग में भी रविवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जब एसी मिलान को यूवेंटस के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ पर रुकना पड़ा।

इस मैच में स्टार अमेरिकी खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिच ने पेनल्टी का मौका गंवा दिया। पुलिसिच, जिन्होंने इस सीजन में मिलान के लिए छह गोल दागे और दो असिस्ट किए हैं, ने मैच के अहम क्षण में गोल करने का मौका खो दिया।

बीएफआई कप में सेना के मुक्केबाजों ने दिखाया दम पांच खिलाड़ियों ने फाइनल में दर्ज की शानदार जीत

चेन्नाई। सेना की टीम सात स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर रही, जबकि हरियाणा और रेलवे ने पदक तालिका में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

एस विश्वनाथ, मोहम्मद हुसामुद्दीन, वंशज, सचिन और अंकुश ने फाइनल में शानदार जीत दर्ज की जिससे सेना के मुक्केबाजों का पहले बीएफआई कप में दम देखने को मिला। एशियाई अंडर-22 चैंपियन सेना के एस विश्वनाथ ने 47-50 किग्रा वर्ग के फाइनल में हरियाणा के आशीष पर 5-0 की शानदार जीत के साथ शुरूआत की। सेना के आशीष ने 50-55 किग्रा वर्ग के करीबी मुकाबले में एआईपी के नवराज को 3-2 से हराया।

हुसामुद्दीन ने बरकरार रखा शानदार प्रदर्शन

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेना के हुसामुद्दीन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 55-60 किग्रा वर्ग के मुकाबले में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सागर जाखड़ को 5-0 से हराया। सेना के वंशज ने 60-65 किग्रा वर्ग में अपनी ही टीम के प्रीत मलिक को 3-2 से शिकस्त दी, जबकि साई के सुमित कुमार ने 65-70 किग्रा के फाइनल में सेना के रजत को 5-0 से हराया।

सेना के सचिन ने 70-75 किग्रा के फाइनल में हरियाणा के नीरज के खिलाफ 5-0 की आसान जीत के साथ टीम का दबदबा बनाए रखा, जबकि टीम के उनके साथी अंकुश ने 75-80 किग्रा के फाइनल में चंडीगढ़ के अमन पर 5-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। सेना के नवीन बूरा ने 80-85 किग्रा वर्ग में रेलवे के विनीत को हराया, जबकि साई के दक्ष ने सेना के विशाल गुप्ता को 3-2 से हराकर 85-90 किग्रा का खिताब जीता। प्रतियोगिता के अंतिम फाइनल में 90 किग्रा से अधिक के सुपर हैवीवेट वर्ग में चंडीगढ़ के सावन गिल ने साई के लक्ष्य राठी को 3-2 से हराया।

सात स्वर्ण लेकर शीर्ष पर रही सेना की टीम

सेना की टीम सात स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर रही, जबकि हरियाणा और रेलवे ने पदक तालिका में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में 54 किग्रा वर्ग की विजेता महाराष्ट्र की खुशी जाधव को महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज चुना गया, जबकि राजस्थान की पार्थवी ग्रेवाल (65 किग्रा) को सर्वश्रेष्ठ चैलेंजर और तमिलनाडु की जी रेसिका (80 किग्रा से अधिक) को सबसे होनहार मुक्केबाज चुना गया।

वेटलिफ्टिंग का चैंपियन में सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने जीते कई मेडल

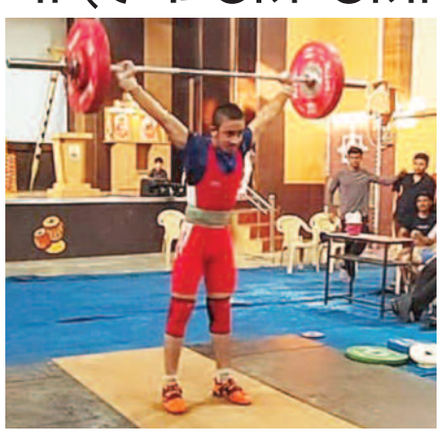

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विद्या भारती संस्थान की ओर से आयोजित 36 वी अखिल भारतीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता दिनांक 04 से 06 अक्टूबर सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय शारदा विहार भोपाल में आयोजित की गयी।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नेहरू नगर स्थित दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर की 5 छात्र एवं तीन छात्रों ने भाग लिया जिसमें अंडर - 17 कीर्ति शर्मा 44 केजी में सिल्वर मेडल, मनीषा शर्मा ने 53 केजी में गोल्ड मेडल, रेनू ने 58 केजी में गोल्ड मेडल, एंजेल चौहान ने 63केजी में गोल्ड मेडल, और अंदर-19 में मेघा पाल ने 69 केजी में गोल्ड मेडल, और अंडर -17 में अनमोल तेवतिया ने 56 केजी में गोल्ड मेडल, अर्जुन सिंह रावत ने 60 केजी में गोल्ड मेडल, अंडर - 19 जतिन गिरी ने 60 केजी में गोल्ड मेडल,

जीतकर एसजीएफआई के लिए स्थान पक्का किया जो अरुणाचल प्रदेश ईटानगर और छत्रपति संभाजी नगर महाराष्ट्र में आयोजित होगी। उसमें अपना स्थान पक्का किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन राठी जी ने खिलाड़ियों की इस अपार सफलता के लिए शुभकामनाएं दी और आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कठिन परिश्रम के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कोच सोनू सिंह के निरंतर प्रयास की भी सराहना की। साथ ही खेल विभाग के प्रभारी रविंद्र मोहन शर्मा तथा विपिन शर्मा को भी विद्यालय की उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी।

दीपावली पर नशा, प्रदूषण मुक्ति और स्वदेशी का एक-एक दीया जलाएं : इंद्रेश कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर कवि नगर में हुआ भव्य विजयदशमी उत्सव

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की केशव शाखा कवि नगर के तत्वावधान में रविवार को संघ के शताब्दी वर्ष पर विजयादशमी उत्सव का आयोजन कवि नगर स्थित विवेकानंद स्कूल प्रांगण में बड़े ही भव्य रूप में किया गया।

इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि दीपावली पर्व पर हर व्यक्ति एक-एक दीपक नशा मुक्ति, प्रदूषण मुक्ति और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के नाम पर जलाए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज गरीबी से उभरकर विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना चुका है, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और नेतृत्व की बड़ी भूमिका रही है।

इंद्रेश कुमार का संदेश : अपने विस्तृत संबोधन में इंद्रेश कुमार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 1925 में विजयादशमी के दिन हुई स्थापना से लेकर आज तक की शताब्दी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत युद्ध समाप्त करना जानता है। महाभारत मात्र 18 दिनों में समाप्त हुआ था, जबकि रूस-यूक्रेन युद्ध तीन वर्षों से जारी है।

भारत आज विश्व को शांति का मार्ग दिखाने की क्षमता रखता है। उन्होंने जाति भेद, छुआछूत और आपसी द्वेष को त्यागने, स्वदेशी अपनाने और ह्लएक और एक ग्यारहह्व की नीति पर कार्य करने का आह्वान किया।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति : कार्यक्रम में गाजियाबाद लोकसभा के सांसद अतुल गर्ग, पिलखुवा नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल, विभाग संघ चालक कैलाश चंद्र, नगर संघ चालक सुशील कुमार, तथा अनेक वरिष्ठ स्वयंसेवक और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पथ संचलन के मार्गदर्शक के रूप में बहादुर सिंह, गिरीश कुमार, सुनील कुमार, राजीव कुमार सहित अनेक स्वयंसेवक सहयोगी रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था में जयप्रकाश, विकास कुमार, आलोक कुमार, विवेक कुमार, उदित कुमार, जितेंद्र कुमार, सूरज जी और कवि नगर शाखा के सभी स्वयंसेवक शामिल रहे।

सेविका समिति की सहभागिता : राष्ट्रीय सेविका समिति की सदस्याओं अंजू, दीपाली, सोनिया, प्रज्ञा, सारिका, आंचल आदि ने अतिथियों एवं स्वयंसेवकों का तिलक लगाकर स्वागत किया। गणगीत राहुल कुमार द्वारा, एकल गीत सोनू प्रकाश द्वारा और अमृत वचन मुनेश कुमार द्वारा प्रस्तुत किए गए। राजीव कुमार द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पथ संचलन से शुरू हुआ आयोजन

करंट क्राइम। कार्यक्रम का आरंभ सैकड़ों स्वयंसेवकों के पथ संचलन से हुआ, जो कवि नगर के विभिन्न ब्लॉकों — आई, जे, एल, सी, और एम ब्लॉक रामलीला मैदान — से होते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुँचा। पथ संचलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. बलिराम हेडगेवार और गुरुजी के चित्रों से सुसज्जित खुली जीप में स्वयं इंद्रेश कुमार उपस्थित रहे। नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर अभिषेक गर्ग ने की माल्यार्पण

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंगलवार को वाल्मीकि पार्क, गाजियाबाद में समाजवादी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग ने महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

अपने संबोधन में अभिषेक गर्ग ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल आदि कवि ही नहीं, बल्कि समाज में समानता, न्याय और मानवता के प्रतीक रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि जी ने 'रामायण' के माध्यम से सत्य, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश देकर भारतीय संस्कृति को नई दिशा दी।

अभिषेक गर्ग ने कहा कि आज के समय में जब समाज में असमानता और भेदभाव की स्थितियाँ दिखाई देती हैं, तब महर्षि वाल्मीकि के विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों पर चलती है और वाल्मीकि समाज के उत्थान व सम्मान के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता, वाल्मीकि समाज के वरिष्ठजन, और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों पर चलने और समाज में समरसता फैलाने का संकल्प लिया।

सलाम होटल पर घिनौना कृत्य

शाही पनीर में निकले मांस के टुकड़े

पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

लोनी, करंट क्राइम। लोनी के नए बाजार में स्थित सलाम चिकन कॉर्नर में खाने में घोर लापरवाही और घिनौना कृत्य सामने आया है। एक ग्राहक की ओर से ऑर्डर किए गए शाही पनीर में मुर्गे के मांस के टुकड़े पाए गए, और जब ग्राहक ने इसकी शिकायत की तो होटल के कर्मचारियों ने उसके साथ अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने जाँच के बाद होटल के दो कर्मचारियों–परवेज और फैजान–के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घटना सोमवार दोपहर लगभग 4 बजे की है। लोनी के नए बाजार में मुकुट ज्वेलर्स में काम करने वाले घड़ी गाँव निवासी कपिल ने अपने साथी पवन के जरिए सलाम होटल से शाही पनीर का ऑर्डर दिया। जब कपिल ने टिफिन खोलकर पनीर प्लेट में निकाला, तो वह देखकर दंग रह गए। सब्जी में शाही पनीर के साथ मुर्गे के चार-पाँच मांस के टुकड़े पड़े हुए थे।

कपिल तुरंत वह टिफिन लेकर होटल पहुंचे और काम कर रहे कर्मचारियों को पनीर दिखाया। शिकायत सुनने की बजाय, वहाँ मौजूद कर्मचारी परवेज और फैजान भड़क उठे। उन्होंने कपिल के साथ न केवल अभद्रता की और गाली-गलौज की, बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित कपिल ने उसी समय लोनी थाने पहुंचकर पूरी घटना की लिखित शिकायत दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जाँच शुरू की। जाँच में शिकायत सही पाए जाने पर, पुलिस ने परवेज और फैजान के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अब पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर राष्ट्रीय लोकदल किसान प्रकोष्ठ ने चलाया सदस्यता अभियान – संगठन की मजबूती पर दिया जोर

त्रिलोक त्यागी बोले, 'किसान और नौजवान ही रालोद की असली ताकत हैं'

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल गाज़ियाबाद किसान प्रकोष्ठ द्वारा राज नगर एक्सटेंशन में महर्षि वाल्मीकि जयंती एवं सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव प्रबोध कुमार रहे। कार्यक्रम का संचालन महानगर अध्यक्ष डॉ. रेखा चौधरी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत महर्षि वाल्मीकि और चौधरी चरण सिंह के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद किसान प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव एवं आयोजक अमित त्यागी आर.के. ने मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी का स्वागत किया, जबकि जिलाध्यक्ष तेजवीर दबाना ने विशिष्ट अतिथि प्रबोध कुमार का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि किसान और नौजवान रालोद की असली ताकत हैं। पार्टी की नींव जनसरोकारों पर टिकी है, और यही रालोद की पहचान भी है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के आदर्श हमें समानता और परिश्रम का संदेश देते हैं, और चौधरी चरण सिंह की विचारधारा ही किसानों के सम्मान और अधिकारों की गारंटी है।

उन्होंने सदस्यता अभियान को और अधिक गति देने का आह्वान करते हुए कहा कि रालोद को गाँव-गाँव और हर वर्ग तक पहुँचाना ही सच्ची सेवा है। इस अवसर पर तेजपाल चौधरी, इंद्रजीत सिंह टीटू, रविन्द्र चौहान, अमित त्यागी, ओड़ी त्यागी, प्रदीप त्यागी, तुषार कौशिक, संजय अरोड़ा, संजय चौधरी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भूपेंद्र डबास, जयदीप सिंह, विशाल सिरोही, किशन राघव, राजेंद्र चंदेला, सुरेंद्र तेवटिया, कृष्णपाल डायरेक्टर, ललित सैनी, दीपमाला चौधरी, दीपा सिरोही, पूजा सिंह, सुमन चौधरी, राखी, गुरप्रीत, नीतू गोयल, बबीता, सुनीता, इंद्राणी त्यागी, नूतन मिश्रा, दिनेश शर्मा, साकिर अली, सोनू शर्मा, और दिशांत तोमर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे।

गाजियाबाद में 10 से 18 अक्टूबर तक लगेगा 'स्वदेशी मेला' – स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की तैयारी तेज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 10 से 18 अक्टूबर 2025 तक रामलीला ग्राउंड, संजयनगर में स्वदेशी मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर निर्मित हस्तशिल्प, कारीगरों और उद्यमियों के उत्पादों को बढ़ावा देना है ताकि दीपावली पर्व पर आमजन स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी को प्रोत्साहित कर सकें।

यह जानकारी उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान ने दी। उन्होंने बताया कि इस मेले में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, हस्तशिल्प एवं वस्त्र उद्योग विभाग, रेशम विभाग, ग्रामिण आजीविका मिशन, सीएम युवा, ओडीओपी, पीएमईजीपी, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना समेत विभिन्न विभागों की सहभागिता रहेगी।

मेले में लगभग 70 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिन पर विभिन्न स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जाएगी। पत्र के अनुसार, मेले में आगंतुकों की बड़ी संख्या में आमद की संभावना है।

उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान ने कहा कि मेले की जानकारी अधिक से अधिक जनमानस तक पहुँचाने के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा प्रिंट मीडिया से समन्वय स्थापित किया जा रहा है ताकि मेले को व्यापक प्रचार-प्रसार मिल सके।

न्यायपालिका पर हमला लोकतंत्र विरोधी हरकत : पं. अशोक भारतीय

गाजियबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित अशोक भारतीय ने देश के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर हुए हमले के प्रयास और बंगाल के खगोन में बीजेपी सांसद पर हुए हमले की कठोर शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इन घटनाओं को न्यायपालिका और लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया है। पंडित भारतीय ने इन घटनाओं के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार चुनाव की तारीख घोषित होते ही अलग-अलग जगहों पर इस तरह की हरकतें होना विपक्ष द्वारा चुनाव जीतने का असफल प्रयास है। उन्होंने विपक्ष के इन कृत्यों को निंदनीय करार देते हुए कहा कि देश की आम जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि रामायण के रचयिता भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर इस तरह की घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने कांग्रेस सांसद श्रीमान राहुल गांधी जी के विदेश में भारत विरोधी प्रचार को भी इन हमलों का प्रेरणास्त्रोत बताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए इस तरह की हरकतें लोकतंत्र विरोधी हैं।

पंडित अशोक भारतीय ने हमले का प्रयास करने वाले वकील को केवल चेतावनी देकर छोड़ने के लिए मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की शालीनता, शांति, उदारता एवं धैर्यशीलता की विशेष प्रशंसा की।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को 'दलित' कहना अनुचित प्रतीत होता है। अंत में, उन्होंने इन सभी हरकतों की एक बार फिर कठोर शब्दों में निंदा करते हुए न्यायपालिका और लोकतंत्र के सम्मान को बनाए रखने पर जोर दिया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पिलखुवा में विभू बंसल ने किया महर्षि के आदर्शों का स्मरण

पिलखुवा, करंट क्राइम। नगर के चंडी फाटक स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पर आज महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेलाल ढिकोलिया ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल ने विशेष रूप से सहभागिता की।

विभू बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने समाज को सत्य, सदाचार और समानता का मार्ग दिखाया। आज उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को एकजुट और प्रगतिशील बनाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में नगर मण्डल अध्यक्ष मनीष माहेश्वरी, पिंटू सर, राजपाल, डॉ. अश्वनी वैध, नगर पालिका सभासद अजय कुमार, नरेश भारती, पवन चौधरी, अंकुर गहलौत, सुरेन्द्र गहरा, विकास वैद्य, अंकुर वैद्य, मुकेश वैद्य, केतन बाल्मिकी और रॉकी बाल्मिकी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और समाज में समरसता एवं सद्भाव का संदेश देते हुए किया गया।

महिलाओं को मिलेगा पिंक टॉयलेट का गिफ्ट

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों विशेष मिशन शक्ति अभियान चल रहा है। बताया जा रहा हे कि पूरे एक महीने का विस्तृत अभियान चल रहा है। जिसके तहत कभी दौड़ हो रही हे तो कभी बाजार, बस अड्डे तो कभी अधिकारियों के कमरों से संदेश दिए जा रहा है। मिशन शक्ति की ताकत व महत्व यह बताने के लिए काफी है कि जब बड़े साहब महिलाओं को साथ लेकर दौड़ रहे हैं। तो कभी एसीपी स्तर के अधिकारी महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। कभी महिलाएं और छात्राएं सड़क पर ट्रैफिक संभाल रहीं हैं। तो कभी डीसीपी और एसीपी के पद की भूमिका को निभा रही हैं। इन सबके बीच पुलिस सूत्रों की ओर से जानकारी मिली है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के अलग-अलग थानों में तैनात महिला पुलिसकर्मियों को भी साहब की ओर से एक गिफ्ट दिया जा रहा है। पता चला है कि जिन थानों, चौकियों और ऐसे प्रमुख स्थान जहां महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती है। वहां अब अलग से पिंक टॉयलेट बनाए जाएंगे। पिंक टॉयलेट उन महिला पुलिस कर्मियों के लिए मददगार बनेंगे जो मिशन शक्ति से जुड़ी हुई हैं। महिला सशक्तिकरण का संदेश दे रही है और उनको दैनिक जीवन में आने वाली इस परेशानी से अब दो-चार भी नहीं होना पड़ेगा। पुलिस के सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम के के थानों में इस बात की जांच की जा रही है कि जहां पर पिंक टॉयलेट नहीं है, वहां महिला पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के लिए अलग से पिंक टॉयलेट बनाया जाए। उनकी सुरक्षा, सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का इंतजाम किया जाए। सूत्र बता रहे हैं कि शहर के और देहात के कई थानों में तो पिंक टॉयलेट कुछ समय पहल ही बनवाए गए थे , पर जहां पर नहीं हैं, वहां जल्द से जल्द इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू होनी है ताकि महिला सशक्तिकरण का संदेश देने के लिए चलाए जा रहा ऑपरेशन मिशन शक्ति अभियान 5.0 सफल हो और इसका सफलता वाला संदेश भी जनजन तक पहुंचाया जाएगा। कुल मिलाकर जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में पिंक पुलिस की टीम ने हाफ एनकाउंटर से लेकर दिनदहाड़े घटनाओं का खुलासा किया है। तो चोरों के भी घुटने तोड़ने का काम किया है। अब देखना होगा आने वाले दिनों में किस महिला थ्री- या टू-स्टार को थाने वाला मौका दिया जाता है।

आईएमएस गाज़ियाबाद को उच्च गुणवत्ता के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आईएमएस गाजियाबाद लगातार नए-नए कीर्तिमान हासिल कर रहा है। इस वर्ष आईएमएस गाज़ियाबाद को उच्च गुणवत्ता एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ के 37 वे दीक्षांत समारोह में राज्यपाल, आनंदीबेन पटेल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार, अनुसंधान, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। संस्थान ने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक मानकों, छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व के कारण उच्च मान्यता प्राप्त की है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने कहा कि यह उपलब्धि आईएमएस परिवार के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है।

ज्ञात हो कि संस्थान के लगभग सभी कोर्सेज में 14 छात्र- छात्राओं ने चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ की परीक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त कर यूनिवर्सिटी टॉप किया, जिसमें 6 स्वर्ण, 4 रजत एवं 4 कांस्य पदक शामिल रहे। यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान पर रहे छात्र छात्राओं को गोल्ड मेडल से पुरष्कृत किया गया । ज्ञात हो की पिछले कई सालों से संस्थान के छात्र- छात्राऐं लगातार यूनिवर्सिटी टॉप करते आ रहे हैं।

बीसीए की वंशिका शिशोदिया, बीजेएमसी की नैना, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी की नंदिनी सिन्हा, बीबीए की श्रेया बंसल, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की आस्था त्यागी एवं मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस की छात्रा खुशी चौधरी द्वारा सर्वाधिक अंक प्राप्त कर यूनिवर्सिटी टॉप किया गया। सभी टॉपर्स को चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ के 37 वे दीक्षांत समारोह में उनके इस कीर्तिमान के लिए उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला की उपस्थिति में गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी जी सीताराम, श्रीमती रजनी तिवारी, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा एवं योगेंद्र उपाध्याय , उच्च शिक्षा मंत्री भी उपस्थित रहे।

बीजेएमसी की कैफिया, मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस की संचिका भाटिया, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी की अपराजिता एवं एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की जया ने यूनिवर्सिटी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान बीजेएमसी की निक्षिप्ता राउत, मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस की मुदिता त्रिपाठी, बीबीए की कृतिका एवं एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की श्वेता सिंह ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया ने सभी को बधाई दी एवं संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने कहा कि संस्थान के छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त करना हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। यह उनकी लगन, परिश्रम और हमारे शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। अंत में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए हर्ष जताया एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। डॉक्टर उदिता त्यागी ने कहा कि जीवन में गुरु का चयन सबसे बड़ा निर्णय होता है, क्योंकि वही हमें यह सिखाता है कि हमें गुलामी करनी है या स्वाभिमान से जीना है। संदेश स्पष्ट है — गुरु चुनने से पहले सोचो, क्योंकि वही तुम्हारा भविष्य गढ़ता है। मैडम त्यागी की सारगर्भित ये पोस्ट बनी दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को फोन कर दी जन्मदिन की बधाई, द्विपक्षीय संबंधों पर भी की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बातचीत की और उन्हें उनके 73वें जन्मदिन पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की समीक्षा की और भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति पुतिन का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

दिसंबर में भारत आ सकते हैं पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 5 दिसंबर को भारत आने की संभावना है। पुतिन नई दिल्ली में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस दौरान पुतिन की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर बातचीत होने की उम्मीद है।

अभी यह तय नहीं है कि राष्ट्रपति पुतिन एक दिन के लिए भारत आएंगे या उनका दौरा दो दिनों का होगा। उनकी यात्रा से पहले रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव नवंबर में भारत आएंगे और कार्यक्रम की तैयारियां पूरी करेंगे। भारत और रूस के बीच हर साल शिखर वार्ता होती है। अब तक दोनों देशों के बीच 22 वार्ताएं हो चुकी हैं। पिछले साल जुलाई में पीएम मोदी मॉस्को गए थे, जबकि पुतिन आखिरी बार 2021 में भारत आए थे। इस बार दोनों देशों का सैन्य और तकनीकी सहयोग पर विशेष ध्यान रहेगा।

माना जा रहा है कि भारत रूस से अतिरिक्त एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली भी खरीद सकता है। भारत ने 2018 में 5 यूनिट के लिए 5 अरब डॉलर का सौदा किया था, जिसमें तीन रेजिमेंट मिल चुकी हैं और बाकी दो अगले साल तक मिलने की उम्मीद है। रूस की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के हवाई हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। हाल ही में पुतिन ने पीएम मोदी तारीफ की थी। रूसी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताया और कहा कि वह उनके साथ सहज महसूस करते हैं। पुतिन ने मोदी के नेतृत्व वाली भारत की राष्ट्रवादी सरकार की तारीफ की और पीएम मोदी को एक 'संतुलित, बुद्धिमान' और 'राष्ट्र हितैषी' नेता बताया।

पीएम मोदी की तारीफ की

पुतिन ने कहा कि सोवियत संघ के दिनों से, जब भारत अपनी आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तब भी रूस-भारत संबंध बेहद मजबूत रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत में, वे इसे याद करते हैं, वे इसे जानते हैं, और इसे महत्व देते हैं। हम इस बात की सराहना करते हैं कि भारत इसे नहीं भूला है।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताया और कहा कि वह उनके साथ सहज महसूस करते हैं। पुतिन ने मोदी के नेतृत्व वाली भारत की राष्ट्रवादी सरकार की सराहना की और पीएम मोदी को एक 'संतुलित, बुद्धिमान' और 'राष्ट्र हितैषी' नेता बताया।

कनाडा के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रंप
जापान की भावी पीएम ताकाइची को दी बधाई

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ये मुलाकातें अमेरिकी विदेश नीति के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं। कनाडा और फिनलैंड, दोनों देश अमेरिका के करीबी सहयोगी हैं। वहीं जापान के साथ ट्रंप ने अपने कार्यकाल में कई बार रक्षा और व्यापारिक साझेदारी पर जोर दिया है। इससे माना जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन अपने पुराने सहयोगियों के साथ रिश्तों को फिर मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते दो बड़े अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसमें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी है।

'कनाडा बिकाऊ नहीं': कार्नी का ट्रंप को जवाब

बता दें कि कुछ महीने पहले मई में जब ट्रंप और कार्नी की मुलाकात हुई थी, तब दोनों के बीच थोड़ा तीखा संवाद हुआ था। इस दौरान ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। इस पर कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने सीधा जवाब दिया, 'रियल एस्टेट की तरह कुछ जगहें बिकाऊ नहीं होतीं। कनाडा भी बिकाऊ नहीं है, और कभी नहीं होगा।' इस पर भी ट्रंप ने अपनी बात से पीछे नहीं हटते हुए कहा, 'समय बताएगा। मैं 'कभी नहीं' पर विश्वास नहीं करता। कई बार जो चीजें नामुमकिन लगती हैं, वे दोस्ताना तरीके से मुमकिन हो जाती हैं।'

जापान की नई महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई

उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जापान की नई नेता साने ताकाइची को भी बधाई दी है। लेविट ने बताया कि, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कहा है कि मैं जापान को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी अगली प्रधानमंत्री का चुनाव किया है। वह एक बेहद सम्मानित और समझदार नेता हैं, जो हमारे महान सहयोगी देश जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।'

क्या है ट्रंप का कार्यक्रम?

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से व्हाइट हाउस में औपचारिक बैठक करेंगे। इसके बाद गुरुवार को वे अपने आठवें कैबिनेट की बैठक करेंगे और उसी दिन दोपहर को उनकी फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब से भी मुलाकात होगी। लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कल व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार

वारदात का मकसद तलाशने में जुटी पुलिस

अमेरिका। अमेरिका में भारतीय छात्र की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टेक्सास पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है। जिसने शुक्रवार रात ईस्टचेज पार्कवे स्थित एक गैस स्टेशन पर काम कर रहे चंद्रशेखर पोल को गोली मार दी और मौके से फरार हो गया।

अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।

आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां

इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पैरेज ने बताया कि 'पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।' स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है।

वारदात से परिवार और समुदाय में शोक

भारतीय छात्र की हत्या के मामले में ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक 'गोफंडमी' अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे।

अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर

अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है।

तबाही के बीच शांति की जागी उम्मीद, मिस्र में इस्राइल-हमास की अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू

काहिरा। सात अक्तूबर 2023 को हमास ने इस्राइल पर हमला किया। इस हमले से इस्राइल और हमास के बीच एक भयावह युद्ध की शुरूआत हुई, जिसने गाजा की तस्वीर को पूरी तरह बदलकर रख दिया।आज इस युद्ध के कुल दो साल पूरे गए। अलग बात है कि तबाही के बीच मिस्र में इस संघर्ष को खत्म करने के लिए इस्राइल-हमास के बीच अप्रत्येक्ष वार्ता शुरू हुई है। ऐसे में सवाल ये खड़ा होता है कि ये कितनी असरदार होगा? इस्राइल और हमास के बीच शुरू हुए संघर्ष के आज कुल दो साल हो गए। हमास के हमले के साथ सात अक्तूबर 2023 को शुरू हुए इस संघर्ष ने गाजा की तस्वीर पूरी तरह से बदलकर रख दिया। हालांकि अब जाकर इस मामले में थोड़ी राहत की बात सामने आ रही है। कारण है कि इस संघर्ष के दो साल पूरे होने के पूर्व संध्या को मिस्र के शार्म अल-शेख रिसॉर्ट में सोमवार को इस्राइल और हमास के अधिकारियों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू हुई। यह बातचीत अमेरिका द्वारा बनाए गए शांति प्रस्ताव को लेकर हो रही है, जिसका उद्देश्य गाजा युद्ध को खत्म करना है।

मंगलवार को फिर शुरू होगी बातचीत

इस्राइल और हमास के बीच सोमवार को हुई बातचीत के बारे में मिस्र के एक अधिकारी ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब ये बातचीत मंगलवार को दोबारा शुरू होगी। उन्होंने कहा कि पहले चरण के लिए ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन चुकी है, जिनमें बंदियों की रिहाई और युद्धविराम शामिल हैं।

पाकिस्तान में बाढ़ पर भारत को ठहराया जिम्मेदार लश्कर आतंकी कसूरी ने मोदी को दी गीदड़भभकी

इस्लामाबाद। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के नंबर दो आतंकी और पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली गीदड़भभकी दी है। उसने पाकिस्तान में बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराते हुए बड़बोलापन दिखाया है।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के नंबर दो आतंकी और पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली गीदड़भभकी दिखाई है। वायरल क्लिप में कसूरी ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के कसीदे पढ़े और बड़बोलेपन में कहा, मैं अपने सर्वोच्च नेता फील्ड मार्शल असीम मुनीर से अनुरोध करता हूं कि वे पीएम मोदी को वैसा ही सबक सिखाएं जैसा हमने 10 मई 2025 को सिखाया था।

पाकिस्तान में भारत विरोधी इस बयानबाजी का कथित वीडियो पूरे पाकिस्तान में व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। पाकिस्तान के सोशल मीडिया चैनलों पर सैफुल्लाह कसूरी को यह कहते हुए दिखाया गया है कि वह बाढ़ राहत कार्य कर रहा है। कसूरी ने हाल ही में पाकिस्तान के कई इलाकों में आई बाढ़ का बदला लेने की कसम भी खाई है।

लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के शीर्ष सहयोगी और आतंकी कसूरी ने खुद के गिरेबां में न झांककर भारत पर ही 'पानी का आतंकवाद' करने का आरोप लगाया। कसूरी ने दावा किया कि नई दिल्ली ने जानबूझकर पाकिस्तान में बाढ़ जैसे हालात बनाए हैं।

आतंकी कसूरी का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 26 सितंबर को सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया और भारत पर इसके प्रावधानों का उल्लंघन करने और समझौते को स्थगित रखने का आरोप लगाया। कसूरी का यह बयान पाकिस्तान की आतंकवादी मशीनरी और राजनीतिक नेतृत्व के गठजोड़ से भारत के खिलाफ फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का हिस्सा है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान चीन कर रहा था पड़ोसी देश की मदद, पाक जनरल ने ही खोल दी पोल

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने पहली बार माना है कि भारत के साथ चार दिन चले सैन्य संघर्ष में चीन उनकी मदद कर रहा था। चौधरी ने दावा किया है कि मई में भारत के साथ हुए चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान तैनात की गई चीनी हथियार प्रणालियों ने 'असाधारण' प्रदर्शन किया।

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरूआत की थी। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें ड्रोन और मिसाइल हमले शामिल थे।

इन हमलों में कई आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियां भारतीय सेना के तेज हमलों को रोकने में नाकाम साबित हुए थे। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने संघर्षविराम की गुहार लगाई, तब जाकर दोनों देशों ने दस मई को समझौते पर पहुंचकर संघर्षविराम को समाप्त किया।

पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' की खबर के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक जनरल चौधरी ने यह बयान ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में दिया। यह इंटरव्यू पिछले हफ्ते लिया गया था और सोमवार को प्रसारित हुआ।

अहमद शरीफ ने दावा करते हुए कहा, बिलकुल, हाल ही में जिन चीनी हथियार प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया, उन्होंने असाधारण प्रदर्शन किया। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा, हम हर प्रकार की तकनीक को अपनाने के लिए तैयार हैं। जनरल चौधरी ने भारत के इस दावे को भी खारिज किया कि संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने 12 सैन्य विमान गंवाए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने कभी भी आंकड़ों और तथ्यों से खिलवाड़ नहीं किया है। पहले पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा था कि मई में संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना ने चीनी जे-10सी लड़ाकू विमान का इस्तेमाल किया था।

भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार का ऐलान तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों को दिया गया सम्मान

नई दिल्ली। भौतिकी में नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो चुकी है। जॉन क्लार्क, मिशेल माइकल डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को क्वांटम मैकेनिक्स में खोज के लिए नोबेल प्राइज से नवाजा जाएगा। नोबेल पुरस्कार पाने वाले तीनों अमेरिकी वैज्ञानिक हैं। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने इसकी घोषणा की है।

भौतिकी का नोबेल पुरस्कार 2025 कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, बर्कले के जॉन क्लार्क, येल यूनिवर्सिटी और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा के मिशेल एच. डेवोरेट और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा के जॉन एम. मार्टिनिस को प्रदान किया जाएगा।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने इलेक्ट्रिक सर्किट में मैक्रोस्कोपिक क्वांटम मैकेनिकल टनलिंग और ऊर्जा क्वांटीकरण की खोज के लिए उनके अग्रणी कार्य को मान्यता दी, जो मानवीय पैमाने पर क्वांटम परिघटनाओं को प्रदर्शित करने की खोज में एक सफलता का प्रतीक है। मालूम हो कि विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (भारतीय रुपयों में 10.3 करोड़), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

इन शोधकताओं को पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि 10 दिसंबर को एक समारोह में औपचारिक रूप से स्टॉकहोम में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। बता दें कि 1901 से 2024 के बीच 226 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को 118 बार भौतिकी का यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है।

पिछले साल इन वैज्ञानिकों को मिला था पुरस्कार

पिछले साल यानी 2024 में मशीन लर्निंग में फिजिक्स के इस्तेमाल के लिए नोबेल प्राइज मिला था। जॉन जे. होपफील्ड और जेफ्री हिंटन को नोबेल से नवाजा गया था। जॉन हॉपफील्ड ने कंप्यूटर को चीजें याद रखने और पहचानने में मदद करने वाली तकनीक विकसित की थी। जिसे हॉपफील्ड नेटवर्क कहा जाता है। वहीं जेफ्री हिंटन, जिनको आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का 'गॉडफादर' भी कहा जाता है। उन्होंने बोल्ट्जमैन मशीन बनाई, जो कंप्यूटर को डेटा से खुद सीखने की क्षमता देता है।

बलूच विद्रोहियों ने फिर बनाया जाफर एक्सप्रेस को निशाना, विस्फोट के बाद पटरी से उतरे कई डिब्बे

इस्लामाबाद। बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं।

पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया है। बलूचिस्तान रिपब्लिकन गार्ड्स ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया और आईईडी विस्फोट कर ट्रेन के कई डिब्बों को पटरी से उतार दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला सुल्तान कोट इलाके में किया गया, जो शिकारपुर और जैकबाबाद इलाके के बीच में स्थित है। इफ्फ्ने ऐलान किया है कि बलूचिस्तान की आजादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे।

बलूच विद्रोहियों का दावा- पाकिस्तानी सैनिकों को निशाना बनाकर किया गया हमला रिपोर्ट्स के अनुसार, रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आईईडी विस्फोट किया गया। विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसके असर से ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने से चार यात्री घायल हुए हैं। वहीं बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। बलूच विद्रोहियों ने दावा किया कि हमले में ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए।

पहले भी बलूच विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस को बनाया निशाना

पाकिस्तान की ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोही पहले भी कई बार निशाना बना चुके हैं। दरअसल इस ट्रेन से अक्सर पाकिस्तानी सैनिक पाकिस्तानी पंजाब से बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा आते-जाते हैं। यही वजह है कि बलूच विद्रोही संगठनों के निशाने पर अक्सर ये ट्रेन रहती है। इस साल मार्च में जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोहियों ने हाइजैक कर लिया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई, मरने वालों में कई पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। सुरक्षा बलों ने एक अभियान चलाकर ट्रेन पर हमला करने वाले 33 आतंकवादियों को मार गिराया और 354 बंधकों को बचाया गया। दो हफ्ते पहले भी बलूचिस्तान के मस्तुंग के दश्त इलाके में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस का एक कोच नष्ट हो गया और छह अन्य पटरी से उतर गए, जिसमें 12 यात्री घायल हो गए थे। साल 2023 में भी जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया गया था। इसी तरह साल 2016 में भी बलूच विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया था। उस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी।

गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से इस्राइल को 21 अरब डॉलर की सैन्य मदद दे चुका अमेरिका, रिपोर्ट में खुलासा

वाशिंगटन। मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका, बीते दो साल में इस्राइल को करीब 21.7 अरब डॉलर की सैन्य सहायता दे चुका है। इसमें बाइडन प्रशासन और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई मदद शामिल है। हमास के इस्राइल पर हमले और गाजा में इस्राइल की जवाबी कार्रवाई को दो साल पूरे हो चुके हैं। हमास ने 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमला किया था। जिसके बाद संघर्ष की शुरूआत हुई और यह अभी भी जारी है।

बाइडन प्रशासन में दी गई भारी वित्तीय मदद

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा गाजा में युद्ध को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए इस्राइल और हमास के प्रतिनिधि मिस्त्र में बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अमेरिकी मदद के बिना इस्राइल, गाजा में अपने अभियान को जारी नहीं रख पाता। रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न द्विपक्षीय समझौते के तहत अमेरिका भविष्य में भी इस्राइल को अरबों डॉलर की वित्तीय मदद देगा। रिपोर्ट में बताया गया है गाजा युद्ध के पहले वर्ष में, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन सत्ता में थे, अमेरिका ने इस्राइल को 17.9 अरब डॉलर की सैन्य मदद दी। वहीं गाजा युद्ध के दूसरे वर्ष में 3.8 अरब डॉलर की मदद दी गई है। यह रिपोर्ट वॉशिंगटन स्थित क्विसी इंस्टीट्यूट फॉर रिस्पॉन्सिबल स्टेटक्राफ्ट के साथ मिलकर तैयार की गई है। हालांकि कुछ इस्राइल समर्थक समूह क्विसी इंस्टीट्यूट पर अलगाववादी और इस्राइल विरोधी होने का आरोप लगाते हैं। वहीं संस्थान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पश्चिम एशिया में विभिन्न अभियानों पर भी भारी खर्च किया रिपोर्ट में बताया गया है कि यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले, ईरान में परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले और पश्चिम एशिया में अन्य व्यापक गतिविधियों पर अमेरिका ने गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से 9.65 अरब डॉलर से लेकर 12 अरब डॉलर तक खर्च किए हैं। ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के लिए अमेरिका ने करीब 2 अरब अमेरिकी डॉलर से लेकर 2.25 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच खर्च किए।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में विभिन्न अभियानों पर खर्च किए 10 अरब डॉलर

ब्राउन विश्वविद्यालय के वाटसन स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स द्वारा प्रकाशित 'कॉस्ट्स ऑफ वॉर' (युद्ध की लागत) नामक एक अध्ययन में ये भी कहा गया है कि अमेरिका ने पिछले दो वर्षों में पश्चिम एशिया में सुरक्षा सहायता और विभिन्न अभियानों पर करीब 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रकम खर्च की है। यह रिपोर्ट सार्वजनिक तौर पर मौजूद तथ्यों और रिपोर्ट्स पर आधारित है। अमेरिका के विदेश विभाग ने इस रिपोर्ट पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं व्हाइट हाउस ने पेंटागन से इस संबंध में सवाल करने को कहा है।

मोदी सरकार जन-जन की हितैषी, 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य साकार होगा : सांसद अतुल गर्ग

विधायक संजीव शर्मा बोले, जीएसटी दरों में कमी मोदी सरकार का जनता को मिला अनमोल उपहार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा द्वारा मंगलवार को विजयनगर स्थित रोजबेल पब्लिक स्कूल में 'व्यापारी सम्मेलन : घटी जीएसटी, मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शहरभर के व्यापारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर और विशिष्ट अतिथि सांसद अतुल गर्ग रहे।

सांसद अतुल गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जन-जन की हितैषी है, जिसने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं।

विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी की दरों में भारी कमी कर देश की जनता को एक अनमोल उपहार दिया है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर घटने से आमजन को बड़ी राहत मिली है और महंगाई में कमी आई है। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ है, और मोदी सरकार ने हमेशा उनके हितों का ध्यान रखा है।

मुख्य अतिथि हरीश ठाकुर ने कहा कि जीएसटी में राहत और सुधार से व्यापार करना आसान हुआ है, जिससे व्यापारी वर्ग और उपभोक्ता दोनों को सीधा लाभ मिला है।

इस अवसर पर लोहा विक्रेता मंडल अध्यक्ष अतुल जैन, भाजपा महानगर महामंत्री एवं जीएसटी रिफॉर्म अभियान संयोजक राजेश त्यागी, सरदार बलप्रीत सिंह, अनुज मित्तल सहित अनेक व्यापारी बंधु, मंडल अध्यक्ष और पार्षद उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन अजय चोपड़ा किया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने पवन गोयल के आवास पर दी श्रद्धांजलि

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा भी रहे उपस्थित

गाज़ियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता पवन गोयल के पिताजी के निधन पर मंगलवार को शोक की लहर रही। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की सलाह दी। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने डॉयरेक्ट कर ली डॉक्टर वीरेश्वर त्यागी से बात? जाने लिये उनके मुरादनगर से विधानसभा चुनाव लड़ने के जज्बात? वो बोले हम पूरी ताकत से कर रहे हैं चुनाव लडने की तैयारी? मजबूत रहेगी भूमिका हमारी? जब पूछा क्या फिर से दीवारें पुतवाओगे? तो बोले इस बार इस तरह की कोई योजना नहीं है हमारी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि कभी मिस्टर चौहान का पलड़ा था बहुत ज्यादा भारी? सुना है जब वो मौहल्ले वाली ताकत में थे? तब उनके यहां पर काम करते थे 100 कर्मचारी? सुना है अब ये पॉवर उनके पास से ट्रांसफर होकर आ गई है भगवा चौधरी मैम्बर के पास? अब 100 कर्मचारियों का जलवा उनके मौहल्ले में दिख रहा है खास? अब इससे चूक गये है चौहान? फिलहाल तो टॉप पर चल रहा है पूरी प्रवीणता से चौधरी साहब का नाम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के पूर्व वाले त्यागी जी लगाए हुए थे भगवा योद्धा से कुछ बड़ा मिलने की आस? सुना है वो कर रहे थे महान वाले मंत्री बनने के प्रयास? अक्सर दिखाई दे रहे थे उनके आस-पास? मगर हम देख रहे है कि अब वो खुद ही कराने लगे हैं दूरियों का एहसास? ऐसा लग रहा है नहीं हुई है उनके हिस्से की आस? उन्होंने देख ली है कोई ना कोई मजबूरी? इसलिए बहुत अच्छे तरीके से नाप ली है उन्होंने दूरी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि कुछ दिन पहले बृज वाले एरिया के भगवा कमिश्नर और तमाम मैम्बर के साथ हैवीवेट वालों ने की थी लंबी बात? सोचा था इस मुलाकात के बाद बढ़ जायेगी यहां पर संगठन और विकास की स्पीड? मगर हमने जो नजारा देखा वो है इसके विपरीत? मीटिंग होने के बाद कोई भी चेहरा नहीं करा रहा सक्रियता का एहसास? शायद ये चेहरे भूल गये हैं, हैवीवेट वाले उस वक्त हिसाब मांग लेंगे जब आयेगा नगर निगम का चुनाव?

क्यों कहा कहने वाले ने कि एक मामला घटा थाने पर? वहां दिये मिस्टर कूद ने दीदार? सुना है उनके दीदार देखकर चल गया एक पूर्व मैम्बर के दिल पर वार? उन्होंने मारा खींच को उनको ताना? कहा बिल्डरों के यहां बंद हो गया है आपका आना-जाना? जो आना पड़ा आपको थाना? सुना है शायद ये बात लग गई है उनके दिल पर? उन्होंने कम कर दिये है अब हैवीवेट वालों के यहां भी आना-जाना? अगर हो जायें आपको उनके वहां दीदार तो हमको भी बताना?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बता रहा हूं अपने दिल की बात? क्या इसमें कोई शक है कि अमित त्यागी हों या मनोज त्यागी? दोनों हैं मुराद पूरी करने वाले विधायक जी के खास? सुना है वो नदिया पार वाले बॉबी त्यागी से करते हैं इतना ही प्यार? मगर आज तक कोई भूमिका नहीं कर पायें है इस चेहरे के लिए तैयार? शायद नदिया पार है इसकी वजह? कभी तो पूरी होगी उनकी भी रजा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब आपने कर ही दी है पार्षद अमित त्यागी और मनोज त्यागी की बात? तो फिर यहां पर एक चर्चा का निकाल लो और भी हिसाब? कोई चर्चा कर रहा था कि विकास वाले मैटर पर दोनों के बीच में नहीं चल रहा है मैटर? चौकन्ने हो जाते हैं वो उन खबरों को देखकर जब छपता है कोई न्यूज लैटर? देखना सवाल छपने के बाद उनके चेहरे पर आएगी मुस्कुराहट? आज नहीं तो कल सबको दिखाई देगी ये शीत युद्ध वाली आहट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं ध्यान दे रहा हूं भगवागढ के कार्यक्रमों में? वहां से पहुंच रहा है एक संदेश? मुझे एहसास हो रहा है कि अब कम दिखाई दे रहे है पार्टी के कार्यक्रमों में भगवा मैडमों के फेस? आखिर दूरियां दिखाने की क्या है वजह? क्या पूरी नहीं हो रही है इनमें से किसी की रजा? या फिर शब्दों से लगा है कोई आघात? जो भी हो फिलहाल तो गतिविधि कम नजर आ रही है साहब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि पता नहीं चल रहा है भगवा केके शुक्ला जी का राजनीति में पैगाम? हम देख रहे हैं व्हाट्सऐप पर उन्होंने मजबूत की हुई है उन्होंने अपनी राजनीति? इसके अलावा पोलिटिक्ल गतिविधियों में उनके खास दर्शन नहीं हो रहे हैं श्रीमान? अगर वो देंगे ऐसा संदेश तो फिर क्या करेंगे मिस्टर सांगवान? उनकी एक्टिविटी में सांगवान की एक्टिविटी छिपी है? फिलहाल तो सांगवान भी करते हुए दिखाई दे रहे हैं आराम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि ऐसा लग रहा है साईकिल वाले गर्ग साहब के टिकट का अभी से हो गया है समाधान? तभी तो आप देख रहे हैं कि चप्पे-चप्पे पर अब तक 56 वाले उनके होर्डिंग दिखाई दे रहे हैं श्रीमान? कहने वाले ने कहा कि 2027 में होना है विधानसभा चुनाव? 2025 में ही चल दिया है गर्ग साहब ने दावं? कुछ तो ओके की रिपोर्ट है? जो वो अभी से लड़ना शुरू कर चुके हैं चुनाव?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

लखनऊ में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अर्पित की श्रद्धांजलि

कहा, उनके आदर्श आज भी समाज के पथप्रदर्शक

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया महर्षि वाल्मीकि का जीवन दर्शन

करंट क्राइम। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने समाज को यह सिखाया कि कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से महान बन सकता है। उन्होंने अंधकार से प्रकाश की ओर यात्रा कर समूचे विश्व के लिए आदर्श प्रस्तुत किया। वाल्मीकि जी ने रामायण के माध्यम से धर्म, मर्यादा और कर्तव्य का संदेश दिया जो आज भी मानवता का आधार है।

मोदी और योगी लगातार करते हैं भगवान वाल्मीकि का स्मरण

करंट क्राइम। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार भगवान महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों ही नेता वाल्मीकि जी के जीवन मूल्यों परिश्रम, समानता और आत्मसंस्कार — को जन-जन की प्रेरणा बनाना चाहते हैं।

लखनऊ, करंट क्राइम। परिवर्तन स्थल पर मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, और वाल्मीकि समाज के अनेक गणमान्य नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे परिसर में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने जीवन के प्रत्येक संघर्ष को साधना में बदल दिया।

उन्होंने बताया कि वाल्मीकि जी ने समाज को यह संदेश दिया कि व्यक्ति अपने कर्म और आत्मविश्वास से किसी भी स्थिति को बदल सकता है। वे रामायण के रचयिता, न्याय, करुणा और समानता के प्रतीक थे, जिनकी शिक्षाएं आज भी समाज को दिशा प्रदान करती हैं।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन यह दर्शाता है कि परिवर्तन का मार्ग आत्मज्ञान और सत्य के प्रति समर्पण से होकर गुजरता है। हमें उनके बताए आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सद्भाव स्थापित करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के कक्ष में हुए 'घृणित कृत्य' पर अधिवक्ताओं का आक्रोश

गाजियाबाद बार एसोसिएशन 8 अक्टूबर को करेगी आपात बैठक, 9 को राष्ट्रपति को सौंपा जाएगा ज्ञापन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारत की सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के न्यायिक कक्ष में किए गए घृणित और असंवैधानिक कृत्य को लेकर अधिवक्ता समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। अधिवक्ताओं ने इसे संविधान को कुचलने की साजिश बताया और कहा कि इस घटना ने न्यायपालिका की गरिमा को गहरी चोट पहुंचाई है।

पूर्व बार अध्यक्ष नाहर सिंह यादव ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय देश के संविधान और न्याय की सर्वोच्च संस्था है, उसके मुख्य न्यायाधीश के कक्ष में ऐसा अमर्यादित कृत्य राष्ट्र के न्यायिक इतिहास पर काला धब्बा है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज इस चुप्पी को स्वीकार नहीं करेगा और न्यायपालिका की स्वतंत्रता व गरिमा की रक्षा के लिए संघर्ष करेगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर 8 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे बार रूम सभा कक्ष में आपात बैठक बुलाई गई है, जिसमें आगामी विरोध कार्यक्रम की रणनीति तय की जाएगी। बैठक में बार के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता और सदस्यगण शामिल होंगे। नाहर सिंह यादव ने कहा कि 9 अक्टूबर को प्रातः 10:30 बजे सभी अधिवक्ता बार रूम में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर एकत्र होकर जिला अधिकारी कार्यालय तक जुलूस के रूप में जाएंगे, जहाँ सुबह 11:30 बजे महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संविधान, न्याय और न्यायपालिका की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए है। उन्होंने अधिवक्ता समाज से अपील की कि वे संख्या बल से नहीं, बल्कि एकजुटता और संकल्प के बल पर संविधान की गरिमा बचाने के लिए आगे आएं।इस अवसर पर विजय पाल राठी, रतन सिंह (वरिष्ठ अधिवक्ता), जयवीर सिंह (पूर्व डीजीसी क्रिमिनल), राजेंद्र चौधरी (पूर्व सचिव), देवेंद्र शर्मा (पूर्व अध्यक्ष), राकेश त्यागी काकड़ा (पूर्व अध्यक्ष) सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे और आंदोलन को समर्थन दिया।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुआ दशहरा मिलन समारोह

पिलखुवा, गाजियाबाद। पिलखुवा नगर के कान्हा श्याम मण्डप में भव्य दशहरा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी शाश्वतानंद गिरी महाराज, महंत नारायण गिरी महाराज, महारानी रासेश्वरी राज्यलक्ष्मी भाटी, दिनेश भाटी, नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल, धौलाना ब्लॉक प्रमुख निशांत सिसोदिया, निवर्तमान जिला अध्यक्ष उमेश राणा, ठाकुर अजय चौहान तथा ऋषिपाल सिंह परमार सहित अनेक सम्मानित गणमान्य उपस्थित रहे।

ऑपरेशन कन्विक्शन छेड़खानी के आरोपी को तीन साल की सजा, अदालत ने सुनाया कठोर फैसला

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम : महिलाओं से छेड़छाड़ करने वालों पर अब कानून का शिकंजा कसने लगा है। पुलिस कमिश्नरेट गाज़ियाबाद के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत वर्ष 2014 में हुई छेड़खानी के एक मामले में अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। थाना इंदिरापुरम में दर्ज इस प्रकरण में अभियुक्त राकेश आगरा को विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट, कोर्ट नं. 3 गाज़ियाबाद ने तीन वर्ष की कठोर सजा और पाँच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह मामला उस समय का है जब अभियुक्त ने एक नाबालिग बालिका के साथ छेड़छाड़ की थी। मामले की जांच वरिष्ठ उपनिरीक्षक उम्मेद सिंह ने साक्ष्यों के आधार पर पूरी मजबूती से की, जबकि सरकारी अधिवक्ता सतीश शर्मा ने अदालत में प्रभावी पैरवी कर न्याय सुनिश्चित कराया। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश में चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत इस फैसले को एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि समाज में महिलाओं के प्रति अपराध करने वालों में कानून का भय बना रहे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित हुए अनेक कार्यक्रम, नगर निगम ने संभाली व्यवस्थाएं

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने दी शुभकामनाएँ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शहरभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। नगर निगम गाज़ियाबाद द्वारा सभी व्यवस्थाओं का जिम्मा संभाला गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने नवयुग मार्केट में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और सभी शहरवासियों को शुभकामनाएँ दीं।

नगर आयुक्त ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी समाज में सत्य, सेवा और सदाचार के प्रतीक हैं तथा युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने भव्य शोभायात्रा के आयोजकों प्रदीप चौहान व उनकी टीम को भी बधाई दी। इस अवसर पर नगर निगम टीम ने शहरभर में सफाई एवं व्यवस्था सुनिश्चित की।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश ने बताया कि इस वर्ष भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 125 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और आवश्यक दवाइयाँ वितरित की गईं।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में नगर आयुक्त एवं अधिकारियों ने भंडारे में प्रसाद वितरण किया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने की शोभायात्रा में सहभागिता

लोनी, करंट क्राइम। महर्षि वाल्मीकि सेवा समिति द्वारा भगवान वाल्मीकि जी के प्रकटोत्सव पर लोनी रामलीला मैदान से भव्य शोभायात्रा एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने वाल्मीकि मंदिर में नमन कर आशीर्वाद लिया और मुख्य समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी समाज में समरसता, ज्ञान और सद्भाव के प्रतीक हैं, जिनकी शिक्षाएँ आज भी सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी चैनपाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। विधायक ने आयोजन समिति अध्यक्ष हिमांशु लोहरा एवं टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

इंदिरापुरम में तेज बारिश में गिरा पेड़, तीन वाहन दबे

तेज बारिश में साहिबाबाद के कई इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के अभयखंड स्थित पुलिस चौकी के पास मंगलवार शाम तेज बारिश के दौरान एक बड़ा पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। इस हादसे में एक कार, एक बाइक और एक ई-रिक्शा पेड़ के नीचे दब गए। पेड़ के गिरने से मार्ग संकरा हो गया और जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। हादसे के वक्त कार में एक युवक सवार था, जिसे स्थानीय लोगों ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कार सवार युवक धर्मेंद्र रावत को कोई चोट नहीं आई है।

पार्षद हरीश कड़ाकोटि ने बताया कि यह पेड़ करीब 20 से 25 साल पुराना है और करीब चार से पांच फीट गहराई से उखड़कर गिरा है। उन्होंने बताया कि पेड़ के गिरने से एक कार, एक बाइक और एक ई-रिक्शा दब गए। पेड़ के गिरने से मार्ग भी संकरा हो गया और बारिश के चलते इलाके में जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। पार्षद ने बताया कि उद्यान विभाग को इसकी सूचना दे दी गई है। विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दबे हुए वाहनों को पेड़ के नीचे से निकाला और पुलिस ने यातायात सुचारू किया। वही साहिबाबाद में तुलसी निकेतन बृज विहार वैशाली वसुंधरा इंदिरापुरम राजेंद्र नगर रेलवे अंडरपास शालीमार गार्डन पप्पू कॉलोनी डीएलएफ कॉलोनी राजीव कॉलोनी गरिमा गार्डन सहित अनेक इलाकों में तेज बारिश के कारण जगह-जगह जल भराव हो गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्लॉट के मूल कागज रजिस्ट्री, खतौनी और संपत्ति का नक्शा होते हैं : मनोज भाटी एडवोकेट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एडवोकेट मनोज भाटी ने बताया कि प्लॉट के मूल कागज में मुख्य रूप से बिक्री विलेख (रजिस्ट्री), खतौनी/जमाबंदी, और संपत्ति का नक्शा शामिल होते हैं। बिक्री विलेख संपत्ति के मालिकाना हक का सबूत होता है, जबकि खतौनी जमीन की स्थिति और सीमाओं का विवरण देती है। संपत्ति का नक्शा प्लॉट के आकार और स्थिति को दर्शाती है। इसके अलावा, अचल संपत्ति कर भुगतान प्रमाण, उपयोगिता प्रमाण पत्र, और भार-भार प्रमाणपत्र भी महत्वपूर्ण दस्तावेज हो सकते हैं।

प्रमुख मूल कागजात: बिक्री विलेख: यह सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो संपत्ति के मालिकाना हक को साबित करता है और इसे उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीकृत होना चाहिए।

खतौनी/जमाबंदी: यह जमीन या प्लॉट के रिकॉर्ड, उसकी स्थिति, और सीमाओं का विवरण प्रदान करता है।

संपत्ति का नक्शा: यह प्लॉट की आकृति और उसके आसपास की सीमाओं को दर्शाती है

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।